राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

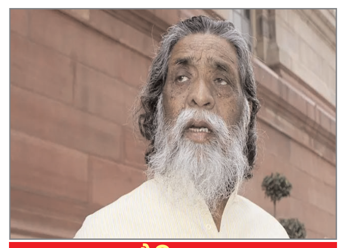

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 13 नवंबर 2025
वर्ष 14, अंक 210, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

दिल्ली धमाके के बाद सीतापुर में सड़कों पर उतरी पुलिस, बस स्टॉप स्टेशन पर डॉग स्क्वायड से चेकिंग ..03

बलिया बांसडीह में पुलिस मुठभेड़, बदमाश राहुल राजभर गिरफ्तार..04

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर विवाद केस अपने हाथ में लिए, हाईकोर्ट के मामलों पर रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (11 नवंबर) को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित कानूनी लड़ाई की कमान अपने हाथ में ले ली है. चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया और देश के सभी उच्च न्यायालयों में इससे संबंधित सभी मामलों पर रोक लगा दी. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राजनीतिक दलों और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (एडीआर) के वकीलों की दलीलें सुनीं कि यह प्रक्रिया अव्यावहारिक, जल्दबाजी में की गई और असंवैधानिक है. शीर्ष अदालत 26 नवंबर को इस मामले की सुनवाई करेगी और उसने चुनाव आयोग को जवाब देने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान मतदाता पुनरीक्षण के समय, चुनाव आयोग के अधिकार और मतदान के अधिकार को लेकर तीखी बहस हुई.

'एक हास्यास्पद कवायद': याचिकाकर्ताओं ने समय और वैधता को चुनौती दी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग की एक समान समय-सीमा को तमिलनाडु जैसे राज्यों के लिए अव्यावहारिक बताया. सिब्बल ने कहा, 'नवंबर-दिसंबर भारी बारिश का समय होता हैज अधिकारी बाढ़ राहत कार्यों में व्यस्त रहेंगे. दिसंबर में क्रिसमस की छुट्टियां होती हैंज जनवरी में फ़सल कटनी होती है - पोंगल का मौसम. यह अवधि सबसे अनुपयुक्त होती है.'

उन्होंने एक महीने के संशोधन को 'हास्यास्पद कवायद' बताया और इसकी तुलना पिछले संशोधनों से की जिनमें वर्षों लग गए थे. उन्होंने पूछा, 'इतनी जल्दी क्या थी?' और चेतावनी दी कि जल्दबाज़ी और खराब ग्रामीण इंटरनेट गरीबों को मताधिकार से वंचित कर देगा. एडीआर की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने एक गहरी संवैधानिक चिंता जताई. उन्होंने तर्क दिया कि नागरिकता जैसे दस्तावेज़ों की मांग करके यह संशोधन, प्रभावी रूप से चुनाव आयोग को 'वास्तविक राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी)' में बदल देता है. भूषण ने आग्रह किया, 'चुनाव आयोग को नागरिकता का निर्धारण न करने दें' और कहा कि यह शक्ति केवल केंद्र सरकार के पास है. उन्होंने डुप्लिकेट मतदाताओं का पता लगाने के विकल्प सुझाए, जैसे मौजूदा सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना और ग्राम परिषदों (ग्राम सभाओं) के माध्यम से सत्यापन करना.

न्यायिक जांच और डेटा गोपनीयता

पीठ ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर

सवाल उठाए. जस्टिस कांत ने उनकी चिंता पर संदेह व्यक्त किया. उन्होंने कहा, 'आप लोग ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे मतदाता सूची का पुनरीक्षण पहली बार हो रहा हो! हम ज़मीनी हक़ीक़त से भी वाकिफ़ हैं. एक संवैधानिक प्राधिकारी यह कर रहा है (कमियों) की ओर इशारा कीजिए, वे सुधार करेंगे.' जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने मतदाता सूचियों को सार्वजनिक सत्यापन के लिए मशीन-रीडेबल बनाने की भूषण की याचिका पर ध्यान केंद्रित किया. 2018 के एक मामले का हवाला देते हुए जस्टिस बागची ने मतदाता गोपनीयता की चिंताओं को उठाया. उन्होंने कहा, 'चुनाव आयोग डेटा को जनता के भरोसे रखता है.' और यह भी कहा कि बड़े पैमाने पर डेटा का दुरुपयोग हो सकता है. उन्होंने भूषण का जवाब एक उदाहरण से दियाः 'आप अपने घर पर ताला लगाते हैं. चोर ताला तोड़ देते हैं. क्या यही वजह है कि आप अपने घर पर फिर कभी ताला न लगाएं?' उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव आयोग इसके बजाय और ज़्यादा सुरक्षा व्यवस्था बना सकता है या पासवर्ड-संरक्षित पहुंच प्रदान कर सकता है.

चुनाव आयोग और अन्नाद्रमुक ने संशोधन का बचाव किया

चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने अदालत से उच्च न्यायालय के मामलों को रोकने का अनुरोध किया ताकि परस्पर विरोधी आदेशों से बचा जा सके, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया. उन्होंने विरोधी राज्य सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे यह दिखाने की होड़ में लगे हैं कि वे कितने पिछड़े हैं और एसआईआर की कठोरता को सहन करने में असमर्थ हैं. तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने चुनाव आयोग का समर्थन करने के लिए हस्तक्षेप किया. इसके वकील बालाजी श्रीनिवासन ने संशोधन को 'वैध और आवश्यक' बताया और सत्तारूढ़ द्रमुक के उस दावे पर आश्चर्य व्यक्त किया जिसमें उन्होंने अपने राज्य में खराब कनेक्टिविटी का दावा किया था. कानूनी चुनौती तब शुरू हुई जब संशोधन की पहली बार बिहार में कोशिश की गई, जहां इस पर बड़े पैमाने पर मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप लगे. द्रमुक का तर्क है कि इस दोषपूर्ण मॉडल को देश भर में लागू करना समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वभौमिक मताधिकार के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है.

बांग्लादेश में हाई अलर्ट! शेख हसीना के खिलाफ मामले में फैसले से बढ़ा तनाव, देशभर में लॉकडाउन की घोषणा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ चल रहे मानवता विरोधी अपराध मामले को लेकर माहौल बेहद तनावपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) गुरुवार, 13 नवंबर को इस बहुचर्चित मामले में फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। अदालत का यह कदम देश के राजनीतिक परिदृश्य में नई हलचल ला सकता है।

देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में पुलिस, अर्धसैनिक बलों और सेना की तैनाती बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने हवाई अड्डों, सरकारी दफ्तरों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर चौकसी बढ़ा दी है। राजधानी ढाका में कई जगहों पर चेकपोस्ट लगाई गई हैं, वाहनों की तलाशी ली जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन

प्रतिबंधित अवामी लीग पार्टी ने गुरुवार को देशव्यापी 'सूर्योदय से सूर्यास्त तक' लॉकडाउन का ऐलान किया है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सोशल मीडिया के ज़रिए लोगों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। गौरतलब है कि अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पार्टी नेता अब गुप्त स्थानों से ऑनलाइन गतिविधियों को जारी रखे हुए हैं।

राजधानी में हिंसक घटनाएं

पिछले दो दिनों में ढाका समेत कई शहरों में हिंसक घटनाएं सामने आई हैं। कई जगहों पर वाहनों में आग लगाने और कॉकटेल बम धमाकों की रिपोर्टें मिली हैं। पुलिस ने बड़ी संख्या में अवामी लीग समर्थकों को हिरासत में लिया है।

मामला क्या है?

यह मामला जुलाई 2024 के उस छात्र आंदोलन से जुड़ा है, जिसने शेख हसीना की सरकार को गिरा दिया था। इस दौरान बांग्लादेश में व्यापक हिंसा हुई थी, जिसमें संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1,400 लोगों की मौत हुई थी।बाद में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना भारत भाग गई और उनके पलायन के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ।

हसीना पर आरोप

हसीना पर हत्या, अवैध हिरासत और मानवता विरोधी अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। ये वही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण है जिसे हसीना ने खुद 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान युद्ध अपराधों की जांच के लिए स्थापित किया था। अब वही अदालत उन्हीं के खिलाफ सुनवाई कर रही है।मामले की गवाही पूरी हो चुकी है और न्यायाधिकरण अब गुरुवार को यह तय करेगा कि फैसले की घोषणा कब की जाएगी। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि कानून के अनुसार प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जबकि अवामी लीग समर्थकों का आरोप है कि यह राजनीतिक प्रतिशोध है।

विशेषज्ञों की राय

बांग्लादेश इस समय एक बड़े राजनीतिक मोड़ पर खड़ा है। शेख हसीना के खिलाफ फैसले की दिशा तय करेगी कि देश लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर बढ़ेगा या एक बार फिर हिंसक उथल-पुथल का सामना करेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि हसीना के खिलाफ अदालत का फैसला कठोर आता है, तो देश में बड़े पैमाने पर हिंसा और अस्थिरता फैल सकती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ, स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

H- 1B वीजा पर ट्रंप का बड़ा बयान- हमारे देश में खास टैलेंट नहीं...अमेरिकी बेरोजगार काम के नहीं, विदेशी प्रतिभाएं लाना जरूरी !

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव करते हुए कहा है कि अमेरिका को वैश्विक स्तर पर प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करना होगा, क्योंकि देश में 'कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि केवल अमेरिकी बेरोजगारों को नियुक्त करके उन्नत तकनीकी उद्योगों की जरूरतें पूरी नहीं की जा सकतीं। फॉक्स न्यूज की लॉरा इंग्राहम को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, अगर आप वेतन बढ़ाना चाहते हैं तो विदेशी कामगारों को रोकने की बात ठीक है, लेकिन अमेरिका को प्रतिभाओं की ज़रूरत है। हमारे पास वो खास टैलेंट नहीं है जो आधुनिक उद्योगों को चाहिए।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जॉर्जिया में बैटरी बनाने वाले कई दक्षिण कोरियाई कामगारों को हटाने की कोशिश की गई, लेकिन 'ऐसे प्रशिक्षित लोग ढूंढना बेहद मुश्किल है।' ट्रंप ने कहा कि बैटरी निर्माण, मिसाइल और हाई-टेक उद्योग 'साधारण मजदूरों के बस की बात नहीं।' राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि उनका प्रशासन एच-1बी वीजा में दुरुपयोग रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। सितंबर 2025 में जारी आदेश के तहत, नई एच-1बी याचिकाओं के लिए कंपनियों को 1 लाख डॉलर का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

अमेरिकी श्रम विभाग ने हाल ही में 175 से अधिक जांचें शुरू की हैं, जिनमें कम वेतन, फर्जी कार्यस्थल और 'बेंचिंग' जैसी गड़बड़ियों की पड़ताल की जा रही है।भारतीय पेशेवर खासतौर पर आईटी इंजीनियर और डॉक्टर एच-1बी वीजा धारकों का सबसे बड़ा समूह हैं। ट्रंप ने कहा कि सुधारों का उद्देश्य अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करते हुए 'प्रतिभाशाली विदेशी' लोगों के लिए एक पारदर्शी प्रणाली बनाना है।

दिल्ली कार ब्लास्ट में आया नया मोड़, आतंकी उमर को लेकर हुआ ऐसा खुलासा, जांच की घूम गई सुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली लाल किला कार ब्लास्ट में हर पल नए खुलासे हो रहे हैं. दिल्ली में लाल किला के पास कार ब्लास्ट कैसे हुआ, किसने किया, क्या जैश का हाथ है? इन सवालों के जवाब सबूतों के साथ तलाशे जा रहे हैं. अब इस बीच दिल्ली ब्लास्ट केस में ऐसा खुलासा हुआ है, जिससे जांच की पूरी दिशा ही बदल सकती है. जी हां, सूत्रों की मानें तो दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस में जैश का हाथ है. ऐसा माना जा रहा है कि आतंकी उमर मोहम्मद आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा था और अब उसककी ब्लास्ट वाले दिन की गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजरें टिकी हुई हैं. उसी से जांच में आगे का रास्ता मिल सकता है.

सूत्रों के मुताबिक, घटना वाले दिन आतंकी उमर मोहम्मद दिल्ली के प्रमुख इलाकों में सक्रिय था. वह उस दिन चांदनी चौक से पहले अपनी आई-20 कार लेकर दिल्ली के क्नॉट प्लेस इलाके में भी गया था. I-20 कार के साथ उसकी मौजूदगी

CCTV फुटेज में कैद हो गई है. इस खुलासे से जांच की सुई अब विदेशी कनेक्शन की ओर घूम गई है, जहां एक हैंडलर बैठकर इस मॉड्यूल को निर्देश दे रहा था. सूत्रों का कहना है कि विदेश में बैठे हैंडलर के इशारे पर ही आतंकी उमर मोहम्मद ने लाल किले पर ब्लास्ट किया.

सुरक्षा एजेंसियों को मिली कामयाबी

सूत्रों के मुताबिक, I-20 कार को लेकर आतंकी उमर मोहम्मद दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में 2:30 बजे के आस पास भी नजर आया था. कार को मयूर विहार इलाके में भी CCTV में देखा गया है. जांच में सामने आया है कि इस मॉड्यूल का हैंडलर विदेश में बैठा हुआ था, जो अलग-अलग सोशल मीडिया एप के जरिए इस जैश के मॉड्यूल को निर्देश दे रहा था. बहरहाल, दिल्ली ब्लास्ट केस में बड़ी सफलता यह है कि विदेश में बैठे इस हेंडलर की पहचान सुरक्षा एजेंसियों ने कर ली.

चांदनी चौक पर कैसे पसरा मातम

बता दें कि सोमवार की शाम को चांदनी चौक के पास लाल किला मेट्रो गेट नंबर एक बर एक कार में धमाका हुआ था. I-20 कार में पहले से विस्फोटक रखा गया था. उस कार में विस्फोट होने से लाल किले के आसपास चीख-पुकार मच गई थी. उस ब्लास्ट में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 20 लोग घायल हैं. प्रारंभिक जांच में इसे एक दुर्घटना माना जा रहा था, मगर फॉरेंसिक रिपोर्ट्स में विस्फोटकों के अवशेष मिलने से इसे आतंकी हमले की श्रेणी में डाल दिया गया. अब इस केस की जांच एनआईए कर रही है. सूत्रों का कहना है कि आतंकी उमर मोहम्मद ने कार में खुद को विस्फोटकों के साथ उड़ा लिया. सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो उमर मोहम्मद जैश-ए-मोहम्मद के एक सक्रिय मॉड्यूल का हिस्सा था. उसका फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल से कनेक्शन था.

9 महीने में पत्नी को मिली उम्रकैद, भांजे के प्यार में पति का गला दबा दिया था; फिरोजाबाद कोर्ट ने सुनाई सजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में पति की हत्या करने के मामले में कोर्ट ने पत्नी और उसके आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है. जिला न्यायालय में सुनवाई के दौरान जज ने पति की हत्या के मामले में पत्नी व उसके प्रेमी को दोषी माना है. कोर्ट का ये फैसला करीब नौ महीने बाद आया है. उम्रकैद के अलावा कोर्ट ने दोनों पर अर्थ दंड लगाया. अर्थ दंड न देने पर उनको अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी.

जानकारी के मुताबिक, जिले के थाना खैरगढ़ के गांव बेरनी की रहने वाली रोशनी पत्नी सतेंद्र कुमार के अपने भांजे गोविंद पुत्र चंद्रप्रकाश निवासी अलीनगर केजरा के अवैध संबंध थे. सतेंद्र को जब पत्नी के अवैध संबंधों की जानकारी हुई तो उसने उसे काफी रोकने का प्रयास किया. लेकिन पत्नी अपनी आदतों से बाज नहीं आई. वह अक्सर अपने पति की गैरमौजूदगी में भांजे से मिलती थी. पति द्वारा लगातार अवैध संबंधों का विरोध किए जाने के बाद रोशनी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का प्लान बनाया. वहीं प्लान के अनुसार पत्नी और उसके प्रेमी ने सतेंद्र कुमार की 14 जनवरी 2025 को गला दबाकर हत्या कर दी थी. सतेंद्र के भाई ने उसकी पत्नी और भांजे के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था.

पुलिस ने निभाई अहम भूमिका

खैरगढ़ पुलिस ने जांच के बाद महिला और उसके प्रेमी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था. मुकदमा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावी क्षेत्र रमेश चंद्र द्वितीय कोर्ट संख्या 8 की अदालत में चला. पीड़ित पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अजय कुमार शर्मा ने की. कोर्ट में सुनवाई के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी. हत्या से जुड़े कई साक्ष्य कोर्ट में पेश किए गए. गवाहों की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने प्रेमी गोविंद व मृतक की पत्नी रोशनी को दोषी माना. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दोषी करार होने पर दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. इसके अलावा दोनों पर 20-20 हजार रुपया अर्थ दंड भी लगाया है. अर्थ दंड न देने पर उनको एक एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी.

24 घंटे में खुलासा और 300 दिनों में दिलाई सजा

एसएसपी सौरभ दीक्षित ने कहा कि खैरगढ़ में हुई युवक की हत्या में महिला और

उसके प्रेमी को सजा दिलाने में पुलिस ने अहम भूमिका निभाई. करीब नौ महीने की कार्यवाही के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को साक्ष्यों के आधार पर सजा दी है. घटना के खुलासे के लिए एसओजी और सर्विलांस सहित दो पुलिस टीमों का गठन किया था. घटना का सफल खुलासा करते हुए 24 घंटे में नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया था. विवेचक निरीक्षक मनोज कुमार ने आरोपी गोविन्द व आरोपी रोशनी के खिलाफ केवल 35 दिन में भौतिक साक्ष्य आदि एकत्र करते हुए जांच के बाद कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था. पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी गोविन्द व आरोपी रोशनी को केवल 300 दिन में ही दोनों को उम्रकैद और 20-20 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा कराई है. सजा दिलाने में थाना प्रभारी खैरगढ़, जांच निरीक्षक मनोज कुमार, शिकायतकर्ता अजय कुमार शर्मा, पुलिस मॉनिटरिंग सेल और पैरोकार हैड कांस्टेबल योगेश शर्मा की अहम भूमिका रही.

तुर्की-पाकिस्तान ने बेशर्मी की हदें की पार ! दिल्ली धमाके पर दिया असंवेदनशील बयान, दुनिया बोली-कुछ तो शर्म करो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत की राजधानी दिल्ली में हुए धमाके पर जहां पूरा देश दहल उठा, वहीं पाकिस्तान और तुर्की ने बेशर्मी की हदें की पार करते हुएइस घटना पर बेहद विवादास्पद और दोहरे रवैये वाले बयान दिए हैं। पाकिस्तान ने धमाके को 'गैस सिलेंडर ब्लास्ट' बताया, जबकि तुर्की ने भारत के लिए नरम शब्दों का इस्तेमाल करते हुए 'विस्फोट' कहा, लेकिन पाकिस्तान में हुए हमले को 'आतंकी हमला' करार दिया।

तुर्की का दोहरा रवैया

अंकारा ने दो देशों में हुई दो घटनाओं पर अलग-अलग स्वर अपनाए।दिल्ली धमाके पर तुर्की के विदेश मंत्रालय ने बयान में केवल कहा, 'हम भारत में हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। 'इस बयान में 'आतंकी हमला' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया। वहीं इस्लामाबाद धमाके पर तुर्की ने लिखा, 'हम पाकिस्तान में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। तुर्की आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के साथ एकजुटता से खड़ा रहेगा। 'इस तरह तुर्की का यह विरोधाभासी रुख उसकी भारत-विरोधी कूटनीतिक प्रवृत्ति और पाकिस्तान-समर्थक नीति को दर्शाता है।

पाकिस्तान ने दिल्ली धमाके को बताया...

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत की राजधानी में हुए धमाके को 'गैस सिलेंडर विस्फोट' बताते हुए कहा कि 'भारत इस घटना का राजनीतिकरण कर रहा है।' उन्होंने यहां तक कहा कि 'अगर भारत हम पर आरोप लगाएगा, तो हम चुप नहीं बैठेंगे।' भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सैन्य स्तर के विस्फोटक मिलने के संकेत हैं, जो इस घटना के पीछे संगठित आतंकी साजिश की ओर इशारा करते हैं।

दुनिया तुर्की और पाक को लगा रही फटकार

दिल्ली में 10 नवंबर की शाम लाल किले के पास हुए धमाके के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं आने लगीं। दुनिया तुर्की और पाक को असंवेदनशील बयानों पर जमकर फटकार लगा रही है कि आंतक के मसीहा देशों को कुछ तो शर्म कर लो। राजनयिकों का कहना है कि यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक पूर्वाग्रह (bias) का उदाहरण है, जहां इस्लामी देशों का गुट भारत को लेकर नरम या उपेक्षापूर्ण रुख अपनाता है। भारत में हुए आतंकी घटनाओं को तुर्की और पाकिस्तान जैसे देशों का हल्के में लेना कोई नया मामला नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, तुर्की की यह नीति 'राजनीतिक इस्लाम' और 'क्षेत्रीय गठजोड़' पर आधारित है, जहां वह पाकिस्तान का समर्थन करके इस्लामी एकता का प्रदर्शन करना चाहता है। भारत में हुई हिंसा पर तुर्की का नरम रवैया उसकी डिप्लोमैटिक विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है।

ईरान ने शोक व्यक्त किया

ईरान ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट की घटना पर शोक व्यक्त किया। इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हुए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने भारत सरकार और जनता, विशेषकर मृतकों के परिवारों के प्रति ईरान की ओर से संवेदना व सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अमेरिका, चीन, जापान, श्रीलंका, मालदीव, इजराइल, आयरलैंड और नेपाल सहित दुनिया भर के नेताओं ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुए विस्फोट में हुई जान-माल की हानि पर शोक व्यक्त किया था।

गुजरात के भरूच में दवा फैक्ट्री में हादसा, बॉयलर फटने से भड़की आग, दो की जिंदा जलकर मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुजरात के भरूच में एक दवा फैक्ट्री में बड़ा हादसा हुआ है. सायखा स्थित गुजरात औद्योगिक विकास निगम (GIDC) क्षेत्र में दवा फैक्ट्री में बॉयलर फटने के बाद भीषण आग लग गई. इस हादसे में दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 अन्य घायल बताए जा रहे हैं. प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य पूरा कर लिया है. भरूच के जिलाधिकारी गौरांग मकवाना ने बताया कि हादसा मंगलवार रात करीब ढाई बजे हुआ, जब फैक्ट्री के अंदर चल रहे बॉयलर में अचानक जोरदार धमाका हुआ. विस्फोट इतना भीषण था कि पूरी इमारत क्षणभर में धराशायी हो गई और फैक्ट्री के अधिकांश हिस्से में आग फैल गई. धमाके की आवाज आसपास के इलाकों तक सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई.

दो मजदूरों की जिंदा जलकर मौत

सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस

और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं. लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया. डीएम के मुताबिक, अधिकतर कर्मचारी विस्फोट के तुरंत बाद बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन दो मजदूर अंदर फंस गए और जिंदा जलकर उनकी मौत हो गई. राहत दलों ने आग बुझने के बाद दोनों के शव मलबे से बरामद किए. घटना में घायल हुए करीब 20 कर्मचारियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकतर घायलों को मामूली जलन या चोटें आई हैं और सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है. वहीं, फैक्ट्री के कुछ कर्मचारियों ने दावा किया है कि हादसे के बाद एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसे मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है.

हादसे की होगी जांच

भरूच जिला प्रशासन ने बताया कि औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (DISH) के अधिकारी भी मौके पर पहुंच चुके हैं. वे यह जांच कर रहे हैं कि फैक्ट्री संचालक के पास सभी आवश्यक सुरक्षा अनुमति और लाइसेंस मौजूद थे या नहीं. साथ ही, यह भी देखा जा रहा है कि बॉयलर की नियमित मेंटेनेंस जांच समय पर की गई थी या नहीं. अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में बॉयलर की तकनीकी खराबी या ओवरप्रेशर के कारण विस्फोट की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, सही कारण फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा. प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है और मुआवजा राशि निर्धारित करने पर विचार किया जा रहा है.

मुस्कुरा रही है स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी

न्यूयॉर्क बंदरगाह के सामने खड़ी स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी ट्रंपियन अमेरिका की हार की घोषणा कर रही है। न्यूयॉर्क मेयर के चुनाव में जोहरान ममदानी की जीत मोदीयन इंडिया की हार की भी घोषणा है, क्योंकि ममदानी के चुनाव प्रचार में ट्रंप के लंगोटिया मित्र मोदी की आलोचना भी शामिल थी। अब मोदी और ट्रंप दोनों सन्निपात की अवस्था में है, क्योंकि इससे इन दोनों श्रीमानों की राष्ट्रवाद के नाम पर नफ़रत फैलाने वाली नस्लवादी राजनीति को करारा झटका लगा है। ममदानी की जीत एक अंतर्राष्ट्रीय परिघटना बनकर सामने आई है। ट्रंप और मोदी, दोनों एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। दोनों नवउदारवादी कॉर्पोरेट नीतियों के समर्थक। एक विशुद्ध साम्राज्यवादी, तो दूसरा जन्मजात उसके तलुए चाटने वाला। एक अपने देश को श्वेत-ईसाई राष्ट्र बनाने में मशगूल, तो दूसरा अपने देश को मनु-आधारित हिंदू राष्ट्र में तब्दील करने पर आमादा। दोनों घोर कम्युनिस्ट विरोधी और मुस्लिम विरोधी। दोनों अपने देश के लोकतांत्रिक स्वरूप और उदार पूंजीवादी मूल्यों को खत्म करके 'निर्वाचित तानाशाही' लादने और नागरिकों को 'आज्ञापालक प्रजा' में बदलने पर आमादा। लेकिन दोनों को अपने देश की ही जनता से चुनौतियां मिल रही है। ऐसे में ममदानी, जो अपने-आपको वामपंथी कहते हैं, जो जन्म से मुस्लिम है और जिसे अमेरिकी नागरिकता मिले मुश्किल से 7 साल ही हुए हैं, यदि जनता द्वारा भारी बहुमत से चुने जाते हैं, और चुने जाने के बाद अपने पहले ही भाषण में जवाहरलाल नेहरू को उद्धृत करते हैं, तो दोनों का सन्निपात की अवस्था में पहुंचना तय था। ममदानी का जीतना इस बात का ऐलान है कि अब अमेरिकी जनता ट्रंप की नीतियों के खिलाफ निर्णायक ढंग से खड़ी हो रही है, ठीक उसी प्रकार, जैसे भारत में लोकसभा चुनाव में भाजपा का पूर्ण बहुमत की स्थिति को खोना और दो बैसाखियों के सहारे सरकार बनाना, इस बात का ऐलान है कि भारतीय नागरिक भाजपा-आरएसएस और मोदी की नीतियों के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। दुनिया के किसी भी हिस्से में कोई भारतवंशी जीतता है, तो भाजपाई खेमा और संघी गिरोह 'भारतमाता की जय' की पुकार लगाते हुए उछलकूद करने लगता है। ऋषि सुनक के ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने पर हमने ऐसा ही देखा था। वास्तव में ऐसी जीत का भारत से कोई संबंध नहीं होता था और न भारत को कोई फायदा, लेकिन यह बंदर-कूद इसलिए होती है कि भारतवंशी के नाम पर यहां राष्ट्रवादी उन्माद भड़काया जा सके। लेकिन ममदानी की जीत से भाजपा को फायदा उठाने का कोई मौका नहीं था, क्योंकि ममदानी का इतिहास नस्लवादी राष्ट्रवाद के खिलाफ तनकर खड़े होने और गरीबों और असहाय लोगों के पक्ष में संघर्ष करने का इतिहास रहा है। ये ममदानी ही थे, जिन्होंने अमेरिका के आवास संकट को उसके असली स्वरूप में पहचाना और समझा कि इस संकट की असली जड़ कॉर्पोरेट मुनाफे की हवस और अश्वेतों के खिलाफ नस्लवादी मानसिकता है। न्यूयॉर्क का मेयर बनने से पहले वे न्यूयॉर्क राज्य विधानसभा के विधायक थे और एक विधायक के रूप में जनता के लिए उन्होंने ये संघर्ष किया है। ये ममदानी ही थे, जिन्होंने टैक्सी चालकों के साथ उनकी भूख हड़ताल में शामिल होकर उन्हें 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की ऋण राहत दिलाई थी। ये ममदानी ही थे, जिनके संघर्ष के कारण न्यूयॉर्क राज्य को मेट्रो सेवा में वृद्धि और किराया-मुक्त बस व्यवस्था के लिए ट्रंप के बजट में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का प्रावधान करना पड़ा था। ये ममदानी ही थे, जिन्होंने आम जनता को संगठित करके न्यूयॉर्क में प्रस्तावित एक प्रदूषणकारी बिजली संयंत्र को रोकने में सफलता हासिल की थी। इन संघर्षों ने कॉर्पोरेट मुनाफे को सीधी चोट पहुंचाई है। ऐसे ममदानी से ट्रंप और मोदी, दोनों का हाजमा खराब ही होना था। निकट अतीत में डेमोक्रेटिक पार्टी का ऐसा कोई नेता नहीं था, जो उनके जैसे संघर्षों की आग में तपा हो। वे डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर वामपंथ की धारा का प्रतिनिधित्व कर रहे थे और उन्होंने दक्षिणपंथ का प्रतिनिधित्व कर रहे न्यूयॉर्क राज्य के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराकर डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी प्राप्त की थी। बाद में कुओमो स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में न्यूयॉर्क मेयर पद के चुनाव के लिए खड़े हुए। ये ममदानी ही थे, जिन्होंने ट्रंप की नीतियों के खिलाफ खुलकर फिलिस्तीनी मुक्ति संघर्ष का समर्थन किया है, जिसके कारण ट्रंप ने उन पर यहूदीविरोधी होने का आरोप लगाते हुए उन्हें हराने की खुली अपील की और कुओमो को अपना समर्थन दिया। लेकिन कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा, दोनों को हराकर, न्यूयॉर्क की आधी से ज्यादा जनता का समर्थन प्राप्त करके ममदानी निर्वाचित हुए। इसलिए ममदानी की जीत ट्रंप की इजरायलपरस्ती की भी हार है। ममदानी का चुनाव अभियान और उसकी मांगें उनके संघर्षों से निकली थी। उन्होंने न्यूयॉर्क में रहने वाले लोगों को स्थिर किराए पर आवास उपलब्ध कराने, विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बनाने, बच्चों की देखभाल की निःशुल्क व्यवस्था करने और महंगाई से राहत देने के लिए सस्ती कीमतों वाली दुकानों का संचालन करने जैसी मांगों पर अभियान चलाया। ये मांगें एक कल्याणकारी राज्य के तो अनुकूल हैं, लेकिन नव-उदारवादी नीतियों के खिलाफ जाती है, क्योंकि ये नीतियां जनकल्याण के बजाए मुनाफे को प्राथमिकता देती है। ट्रंप के सत्ता में आने के बाद जनकल्याण बनाम कॉरपोरेट मुनाफे का संघर्ष बहुत तेज हो गया है। ममदानी की जीत इसी संघर्ष की अभिव्यक्ति है। यही कारण है कि ममदानी की जीत से खफा ट्रंप अब न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की धमकी दे रहे हैं, तो ममदानी ने भी साफ विकल्प रखा है कि जन कल्याण के कार्यों के लिए राशि जुटाने के लिए वे अमीरों पर टैक्स बढ़ाएंगे।

साफ है कि जब ट्रंप उदार लोकतांत्रिक अमेरिका को तबाह करने पर तुले हुए हैं, एक वामोन्मुख वैकल्पिक नीतियों के साथ उनका टकराव बढ़ने जा रहा है। संघी गिरोह की भाषा में कहें, तो 34 साल के ममदानी लव जिहाद की संतान है : एक मुस्लिम पिता और हिंदू मां की संतान और दोनों ही प्रगतिशील और आधुनिक दृष्टिकोण के वाहक। उनके पिता एक प्रख्यात शिक्षाविद् हैं, तो मां प्रख्यात फिल्म निर्देशिका। भारत में मीरा नायर को सभी जानते हैं, जिन्होंने सलाम बॉम्बे, मिसिसिपी मसाला, मॉनसून वेडिंग जैसी अनेक महत्वपूर्ण फिल्में निर्देशित की हैं और अपनी फिल्मों के कारण संघी गिरोह के निशाने पर रही हैं। ममदानी इसी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले शख्स साबित हुए हैं। वे एक मुस्लिम होने के साथ वामपंथी भी हैं और भारतवंशी होने के साथ ही निष्ठावान अमेरिकी नागरिक भी। इस सबसे ऊपर सर्वोच्च मानवीय गुणों से लैस, जो किसी वामपंथी और कम्युनिस्ट की खासियत होती है। उनके अभियान की राजनीति हिंदू धर्म और हिंदुत्व तथा यहूदियों और यहूदीवाद के बीच स्पष्ट अंतर को रेखांकित करती थी। इस प्रक्रिया में, उन्होंने मोदी और नेतन्याहू पर निशाना साधने से भी परहेज नहीं किया। अपने विजय समारोह में ममदानी द्वारा जवाहरलाल नेहरू को इन शब्दों में उद्धृत करना अनायास नहीं था : 'इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है, जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। हमने पुराने से नए युग में कदम रख लिया है। 'मार्क्स के कम्युनिस्ट घोषणापत्र की पहली पंक्ति है-- 'यूरोप को एक भूत सता रहा है -- कम्युनिज्म का भूत '। इस भूत का डर अब विश्वव्यापी हो गया है। कभी यह चे ग्वारा के रूप में सामने आता है, कभी जोहरान ममदानी के रूप में। जोहरान ममदानी हों या कोई और, यदि वह 'पुराने से नए युग में कदम रखने' की घोषणा करता है, तो ऐसे विश्व-नागरिकों से ट्रंप और मोदी दोनों खतरा ही महसूस कर सकते हैं।

लेकिन ममदानी की जीत से पूरी दुनिया के लोगों को हौसला मिल रहा है, जो एक न्यायपूर्ण, समानता और अवसरों से भरी दुनिया के निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में खड़ी स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी की प्रतिमा मुस्करा रही है। इस प्रतिमा के आधार स्तंभ पर एम्मा लाज़ारस की एक कविता उकेरी गई है : 'द न्यू कोलोसस '। यह कविता इन प्रसिद्ध पंक्तियों के साथ समाप्त होती है : 'मुझे अपने थके हुए, अपने गरीब / अपनी तरसती, सिकुड़ी हुई जनता को / अपने भीड़ भरे तट के दयनीय लोगों को / आज़ाद साँस लेने के लिए दे दो। / इन बेघरों, तूफ़ान से घिरे लोगों को मेरे पास भेज दो / मैं सुनहरे दरवाज़े के पीछे अपना दीया उठाती हूँ!' ममदानी की जीत ने आने वाले दिनों में ट्रम्पवाद के खिलाफ संघर्षों का दीया जला दिया है, सुनहरे दरवाज़े के कपाट खुल गए हैं।

संजय पराते

दिल्ली ब्लास्ट एक सोची समझी देश के गद्दारों की साजिश

दिल्ली मे लाल किले के समीप हुए हुंडई आई 20 कार में बम विस्फोट की घटना देश के अंदर ही रहने वाले गद्दारों की आतंकी दहशत गर्दो की ही एक सोची समझी का परिणाम है। दो दिन पहले ही देश कि खुफिया एजेंसी की निगाहों की जद में गुजरात के तीन आतंकियों कि गिरफ्तारी के बाद देश में भारी हथियार ओर आरडीएक्स बरामद होना यह दर्शाता था कि देश को दहलाने कि एक बड़ी भारी साजिश देश के अंदर के कुछ देश विरोधी मुस्लिम तबके के उच्च शिक्षित लोगो द्वारा पाक में बेठे आतंकी आकाओ के इशारो पर रची जा रही है। दिल्ली मे जिस तरह का कार बम विस्फोट हुआ है वह भी आरंभ से देश को दहलाने वाली बड़ी आतंकी साजिश ही लग रही थी जिसके परत दर परत खुलासे के बाद अब यह स्पष्ट हो गया हे हमारे देश को आतंक की गर्त मे झोंकने वाले कोई पाकिस्तानी आतंकी नहीं थे बल्कि देश कि जमी पर पेदा होकर देश का नमक खाकर पले बड़े नामी आधा दर्जन के करीब मुस्लिम डाक्टरो की ही यह फितरत थी कि वह सीमा पार के दशहद गर्दो के इशारों पर भारत के सभी बड़े महानगरों को दहलाकर केंद्र कि मोदी सरकार को कमजोर करने की साजिश थी ! दिल्ली मे हुए कार बम विस्फोट के बाद देश मे आतंक का नया चेहरा सामने आया है। कल तक भारत मे आतंकवाद फेलाने के लिए गरीब तबके के मुस्लिम लड़कों को कट्टरपंथी लोग इस्लाम और अल्लाह के नाम आतंकी बनाकर देश को दहलाने का काम करते थे लेकिन केंद्र की मोदी सरकार के एक देश एक विधान के संकल्प के चलते कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति के बाद ओर आपरेशन सिंदूर की करारी कार्यवाही से बोखलाये सीमा पार के पाकिस्तानी आकाओ ने भारत मे दशहत फेलाने के लिए अपनी रणनीति मे परिवर्तन कर अब भारत के उच्च शिक्षित वर्ग के कुछ कट्टरपंथी मुस्लिम महिला पुरुषों को भी इस्लाम के नाम पर आतंकी घटनाओ को अंजाम देने के लिए तेयार किया गया है। इस समय देखा जाये तो देश के अंदर ही कुछ देश विरोधी मानसिकता वाले लोग देश के अमूमन सभी छोटे बड़े शहरों में दशहत गर्दी फेलाने के लिए ग्रामीण इलाको तक अपनी पेठ जमा चुके हे इनमे बड़ी संख्या में अवेध घुसपेठिये भी लिप्त है। दिल्ली के लाल किले के समीप कार बम विस्फोट की घटना के बाद जिस तरह के नाम उजागर हुए हे और उसके खुलासे से अब यह स्पष्ट हो गया हे कि देश मे आतंक कि घटनाओ को पुनः फेलाने मे देश के अंदर ही अंदर केवल कट्टरपंथी शिक्षित डाक्टर ही नहीं बल्कि कट्टरपंथी मुस्लिम महिलाये भी बड़ी संख्या मे देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने से हिचक नही रही है। इस समय कुछ कट्टरपंथी ताकतें मजहब के नाम पर अपने ही देश भारत को कमजोर करने की साजिश मे लिप्त है। पिछले कुछ दिनों से कश्मीर से लेकर देशभर के कई राज्यों मे आतंकी हलचल की आहट से भारतीय सेना सतर्क थी ओर देश मे मिलते पाकिस्तानी नेटवर्क भारी मात्रा मे अवैध हथियारों के जखीरे मिलना यह दर्शाता था कि भारत के अंदर रहने वाले कुछ मुस्लिम वर्ग के लोग भी पाकिस्तानियों की सोच लिए अब भी देश में मौजूद हे जो भारतीय सेना ओर मोदी सरकार की आपरेशन सिंदूर ही कार्यवाही से खुश नहीं हे ओर वह अपने ही देश को आतंक की आग मे दहला कर देश की मोदी सरकार को कमजोर कर एक बार फिर भारत मे आतंक का राज कायम करना चाहते थे ! भारतीय सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियों कि सतर्कता के बूते देश एक बार फिर आतंक कि आग मे जलने से बच गया है। केंद्र की मोदी सरकार से एक बार पुनः निवेदन हे कि महानगरों ओर शहरों की तरह देशभर के सभी ग्रामीण क्षेत्रों के इलाकों की सघन जांच की जाना की चाहिए ! देश की सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को एक बार फिर फ्री हेंड करके देश के हर उस नागरिक की चाहे कितना बड़ा वीआईपी क्यों न हो संदिग्ध लगने पर उसकी सारी जाच करने की और अंदर देश दुश्मन पाए जाने वाले तत्वों का सफाया करने की आज़ादी देनी होगी तभी देश आंतरिक रूप से पूर्ण सुरक्षित रहेगा ! देश की राजधानी दिल्ली या देश के किसी भी भूभाग पर दोबारा आतंकी गतिविधि दोबारा न हो इसलिए अब समय आ गया हे कि देश अंदर रहने वाले देश विरोधी मानसिकता वाले लोगों के खिलाफ भी एक आपरेशन हंटर भारतीय सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों द्वारा चलाया जाए ताकि कोई सपने में भी देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की सोच भी नहीं सके!

अरविन्द रावल

जब शिव बने कालभैरव : अहंकार के अंत की कथा

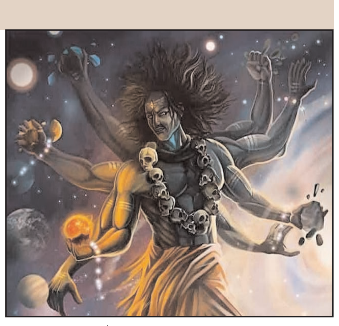

भारतीय संस्कृति में समय को केवल भौतिक या कालगत तत्व नहीं माना गया, बल्कि उसे चेतना का रूप कहा गया है–जो सृजन और विनाश दोनों का नियंत्रण करता है। इसी समय का प्रतीक हैं भगवान कालभैरव, जो भगवान शिव का रौद्र और न्यायप्रिय स्वरूप हैं। हर वर्ष मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाने वाली कालभैरव जयंती हमें यही स्मरण कराती है कि जीवन और जगत में सबसे बड़ी शक्ति समय ही है–जो न्याय करता है, असत्य का विनाश करता है और धर्म की रक्षा करता है। वर्ष 2025 में यह पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा। पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि एक बार ब्रह्मा, विष्णु और महेश के बीच श्रेष्ठता का विवाद हुआ। ब्रह्मा जी ने अहंकारवश भगवान शिव का अपमान किया। तभी शिव के क्रोध से कालभैरव उत्पन्न हुए और उन्होंने ब्रह्मा का पंचम सिर काटकर उनके अहंकार का अंत किया। इस घटना ने यह सिखाया कि ज्ञान और सृजन के देवता भी जब अहंकार में अंधे हो जाते हैं, तब न्याय का काल स्वयं प्रकट होता है। कालभैरव को उसी न्याय और समय के देवता के रूप में पूजा जाता है। वाराणसी में उन्हें कोतवाल देव कहा जाता है–जहाँ वे धर्म के प्रहरी और न्याय के रक्षक माने जाते हैं। कालभैरव का अर्थ है 'भय का नाश करने वाला'। लेकिन उनका यह रूप केवल भय उत्पन्न करने के लिए नहीं, बल्कि अनुशासन और सतर्कता का प्रतीक है। भैरव का रौद्र भाव मनुष्य के भीतर के असंतुलन, लालच, अन्याय और दंभ को तोड़ता है। यही कारण है कि कालभैरव की उपासना हमें भय से नहीं, बल्कि आत्मबल से जोड़ती है। उनका दर्शन हमें यह सिखाता है कि जीवन का हर क्षण समय के अधीन है, और समय से बड़ा कोई नहीं। इसलिए धर्म का पालन ही आत्मशांति का मार्ग है। कालभैरव जयंती का धार्मिक महत्व गहरा है, पर इसकी दार्शनिक गहराई और भी व्यापक है। यह पर्व केवल भगवान शिव की आराधना नहीं, बल्कि उस न्याय और सत्य के प्रति समर्पण है जो समय स्वयं करता है। कालभैरव जयंती हमें चेतावनी देती है कि अहंकार और अन्याय का अंत निश्चित है। यह दिन आत्ममंथन का दिन है–जब हम यह सोचते हैं कि क्या हम धर्म और सत्य के मार्ग पर हैं या नहीं। इस दिन भक्त उपवास रखते हैं, काले वस्त्र धारण करते हैं और कालभैरव की पूजा करते हैं। पूजा में काले तिल, उड़द की दाल, सरसों के तेल का दीपक, बेलपत्र और नारियल का प्रयोग किया जाता है। ' कालभैरवाय नमः' या ' ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु कुरु बटुकाय नमः' जैसे मंत्रों का जाप कर व्यक्ति अपने भीतर के भय को शांति में बदलता है। यह पूजा केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मानुशासन का प्रतीक है। रातभर जागरण और भजन-कीर्तन के माध्यम से व्यक्ति अपने मन की अंधकारमय परतों से मुक्त होने का प्रयास करता है। कालभैरव जयंती का एक मानवीय पक्ष भी है। इस दिन काले कुत्ते को भोजन कराना शुभ माना जाता है, क्योंकि वह भगवान कालभैरव का वाहन है। लेकिन इसका भावार्थ यह है कि धर्म केवल देवताओं की पूजा में नहीं, बल्कि दया और सेवा में भी है। जब हम किसी प्राणी को भोजन कराते हैं, तो हम अपने भीतर के करुणाभाव को जागृत करते हैं। यही करुणा धर्म की जड़ है।आज के समय में कालभैरव जयंती की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह युग अहंकार, अन्याय और अधैर्य का युग है–जहाँ समय का सम्मान कम और तात्कालिक लाभ का आकर्षण अधिक है। कालभैरव हमें सिखाते हैं कि समय को जीतना असंभव है, लेकिन समय के साथ चलना ही समझदारी है। वे हमें स्मरण कराते हैं कि जो समय का आदर करता है, वही न्याय और धर्म के मार्ग पर टिक सकता है। उनकी आराधना का अर्थ है–अपने भीतर के भय, लालच और असत्य से मुक्त होना। भय और विनाश के इस प्रतीक रूप में भी एक गहरा संतुलन छिपा है। शिव के अन्य रूप जहाँ करुणा, प्रेम और सृजन के प्रतीक हैं, वहीं कालभैरव वह शक्ति हैं जो अनुशासन, न्याय और भय के माध्यम से संतुलन बनाए रखते हैं। उनका संदेश यह है कि बिना भय के कोई व्यवस्था टिक नहीं सकती और बिना करुणा के कोई भय पवित्र नहीं होता। धर्म का संतुलन इन्हीं दो ध्रुवों के बीच है। सोशल मीडिया और डिजिटल युग में जब भक्ति भी दिखावे और प्रतिस्पर्धा में बदलती जा रही है, तब कालभैरव जयंती जैसे पर्व हमें भीतर झाँकने का अवसर देते हैं। यह पर्व हमें बताता है कि वास्तविक पूजा किसी बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि भीतर के अनुशासन, संयम और सत्य की साधना में है। कालभैरव की आराधना उस चेतना का आह्वान है जो हमें समय के न्याय के प्रति सजग रखती है। अंततः, कालभैरव जयंती भय का नहीं, बल्कि जागृति का पर्व है। यह हमें सिखाती है कि समय को केवल घड़ी की टिक-टिक में नहीं, अपने कर्मों की दिशा में महसूस किया जाए। जब हम धर्म, सत्य और न्याय के साथ चलते हैं, तब समय हमारे पक्ष में होता है। लेकिन जब हम अहंकार और अन्याय में उलझते हैं, तब वही समय कालभैरव बनकर हमारा परीक्षण करता है। यही इस पर्व का सार है–कि भय नहीं, बल्कि आत्मसजगता ही सच्चा धर्म है।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

लाल किले के समीप उच्च तीव्रता वाले धमाके से दहला दिल्ली

हालिया विस्फोट दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास एक खड़ी कार जोरदार विस्फोट हुआ।इस हादसे में 10 की मौत हुई है। Hyundai i20) में तेज धमाका हुआ, जिसमें शुरुआती आधिकारिक व मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कई नागरिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए। घटनास्थल पर तेज आग और भारी तबाही हुई, आसपास की सड़कों पर भय और अफरा- तफरी फैली। केंद्रीय एजेंसियां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NI), नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) और फोरेंसिक टीम तफ्तीश में जुटी हुई हैं और सीसीटीवी व वाहन के मालिक रजिस्ट्रेशन के सूत्रों की जांच की जा रही है। केंद्र सरकार व गृह मंत्रालय ने इसे गंभीर घटना माना और कई राज्यों में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है।खासकर उन राज्यों में जहां चुनावी चरण निकट हैं। बिहार में भी पुलिस और अर्धसैन्य बलों को सतर्क करने के आदेश दिए गए हैं। इस तरह की घटनाओं से सुरक्षा बलों ने तत्काल जवाब दे दिया है और हाई अलर्ट लगाया गया है। शाम और खबरों के अपडेट के साथ बदल सकती है।ऊपर दिए गए आँकड़े समाचार रिपोर्टों पर आधारित प्राथमिक जानकारी हैं। राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में क्या यह बिहार चुनाव प्रभावित करने की साजिश है?ऐसी हिंसक घटनाएँ चुनावी माहौल पर तुरन्त असर डालती हैं।भय, अनिश्चय और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या लक्ष्य चुनावी माहौल बाधित करना, सरकार को अस्थिर दिखाना या किसी क्षेत्रीय,राष्ट्रीय राजनीतिक मकसद के लिए माहौल बनाना था। वर्तमान जांच अभी शुरुआती चरणों में है। कुछ सरकारी बयान साजिश की संभावनाएँ जांच में होने का संकेत देते हैं, परन्तु किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले तथ्य जैसे कि किसका हाथ है, धमाके में प्रयुक्त सामग्री, गिरोह या आत्मघाती लिंक स्पष्ट होना आवश्यक है। राजनीतिक रूप से ऐसे हमले अक्सर दो तरह के उद्देश्य रखते हैं। भय फैलाकर नागरिकों और मतदाताओं का मन बदलना और दूसरा प्रशासनिक संसाधनों को विचलित करना ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर पड़े। इसलिए घटना को चुनावी साजिश के रूप में देखने पर भी प्रमाण-आधारित निष्कर्षों की आवश्यकता है । अफवाहें और जल्दबाज़ी में आरोप-प्रत्यारोप लोकतंत्र और कानून-व्यवस्था को और जटिल कर देंगे। तत्काल तुरन्त कदम केंद्र और राज्य के लिए सख्त निर्णयात्मक है।पूर्ण आपात-तहकीकात और पारदर्शी अपडेटः NIA/NSG/Forensic टीमों को घटना स्थल और संदिग्ध तारों की त्वरित, समेकित जांच की स्वतंत्रता दें। जांच परिणामों का तय समय पर सार्वजनिक, नियंत्रित और वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत अपडेट दें ताकि अफवाहों का दमन हो। चुनाव सुरक्षा की अतिरिक्त परतें निर्वाचन आयोग, राज्य पुलिस और केंद्रीय बल (BSF/RPF/CRPF/NSG) के बीच तात्कालिक समन्वय , संवेदनशील बूथों, मतगणना केंद्रों, तटस्थ विधानसभा क्षेत्रों और किले मठ,प्रसिद्ध सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की जाए। चुनाव दिवसों के आसपास मोबाइल ब्लॉक और संदिग्ध वाहनों की जांच प्राथमिकता से होनी चाहिए। वाहन-निगरानी व पार्किंग निर्बंध बड़े सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो स्टेशनों, किले, चुनावी सभाओं के समीप – वाहनों की रोक-टोक और पार्किंग के तरीके संशोधित किए जाएँ।संदिग्ध पार्क किए गए वाहनों के लिए त्वरित जांच प्रोटोकॉल अपनाए जाएँ जैसे बायो-नवाइजेंस, विस्फोटक खोज कुत्तों की तैनाती, BDS/IED स्कैन)। यह कदम जनता को असहज कर सकता है, पर यह अस्थायी और आवश्यक है। सुरक्षा उपाय के तकनीकी विवरण चर्चा योग्य हैं पर विस्तृत तरीके खुल कर साझा न करें– ताकि गलत लोगों को दिशा न मिले।सूचना-शासन मैनेजमेंट गृह मंत्रालय और राज्य प्रशासन को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग बढ़ानी चाहिए ताकि झूठी खबरें, भय फैलाने वाले पोस्ट और प्रोवोकेटिव सामग्री पर त्वरित कार्रवाई हो। साथ ही, आधिकारिक चैनलों एक नंबर, ऐप और आधिकारिक ट्विटर-फेसबुक पेजके ज़रिये नियमित सत्यापित सूचनाएँ दें।यह अफवाहों को दबाने का सबसे प्रभावी तरीका है। कठोर कानून लागू करें पर निष्पक्ष जांच भी सुनिश्चित करें। यदि जांच से आतंकवादी साजिश के संकेत मिलते हैं, तो विशेष आतंकवाद विरोधी धाराओं का प्रयोग कर तत्काल गिरफ्तारियाँ की जानी चाहिए। पर गिरफ्तारी व मुक़दमों में न्यायिक प्रक्रिया का पालन आवश्यक है ताकि किसी निर्दोष के उत्पीड़न का आरोप नहीं उठे।

लंबे समय के नीतिगत कदम लोकतंत्र और चुनाव की सुरक्षा

इंटेलिजेंस शेयरिंग का स्थायी तंत्र है।केंद्र-राज्य और गृह-निगमों के बीच रीयल-टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग है।खासकर चुनावी सीज़न से पहले अनिवार्य किया जाए। चुनिंदा हॉटस्पॉटकी पहचान कर वहां पूर्व-सक्रिय निगरानी रखें। लोकल कम्युनिटी इंटेलिजेंस को मजबूत बनाना होगा।स्थानीय पुलिस स्टेशन, पैनल-वासियों के प्रतिनिधियों और आशा/स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दें कि वे संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट कैसे करें।'नज़र-रखो' का सांस्कृतिक और जवाबदेही आधार बनाएँ। यदि लोकल समुदाय सतर्क रहेगा तो हमलों के पहले संकेत पकड़े जा सकते हैं।इन्फ्रास्ट्रक्चर हार्डनिंग सार्वजनिक स्थलों पर CCTV कवरेज, पब्लिक-एरिया लाइटिंग, इमरजेंसी एक्सिट साइन, वाहनों के लिए सुरक्षित-ड्रॉप ज़ोन इत्यादि को डिज़ाइन करें ताकि भीड़ प्रबंधन और इमरजेंसी रेस्पॉन्स बेहतर हो।चुनाव-सम्बन्धी आपदा प्लान निर्वाचन आयोग को हर चुनाव के लिए एक 'आपदा-तैयारी प्लान' रखना चाहिए।जिसमें विस्फोट हिंसा, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मतदाताओं की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया को कैसे रोका नहीं जाए इसका रोडमैप हो।लोकल स्थानीय आतंकवादी संभावनाएँ है।क्या सचमुच 'लोकल' भी हो सकते हैं?घर के भीतर उत्पन्न हुए आतंकवादी तत्वों की संभावना को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। रिपोर्टों में यह बात बताई जा रही है कि घटनास्थल पर इस्तेमाल कार का रजिस्ट्रेशन और मालिक-व्यापारिक हिस्ट्री की जांच की जा रही है। कई बार स्थानीय असमाधान स्थानीय चरमपंथ समूह किसी बड़ी साजिश में उपयोग हो जाते हैं। इसलिए स्थानीय निगरानी, किराए के कमरों/गोदामों की चेकिंग, और ऐसे नेटवर्क का पता लगाना महत्वपूर्ण है। पर यह भी ध्यान रखें कि स्थानीय दुष्प्रेरणा पर त्वरित निष्कर्ष निकालना भेदभाव या समुदाय के विरुद्ध नज़रिए को बढ़ावा दे सकता है–तलाशी और गिरफ्तारियां कानून के दायरे में और साक्ष्य-आधारित होनी चाहिए। नागरिकों के लिए व्यावहारिक दिशा-निर्देश कैसे सतर्क रहें (panic नहीं, पर तैयार। भीड़ में रहें तो ध्यान रखें और भीड़ में अचानक ध्वनि कंपन धुएँ का अनुभव हो तो घबराकर भागने से परहेज़ करें। धीरे-धीरे निकास की दिशा खोजें, निकटत इमरजेंसी-एग्जिट या खुले स्थान की ओर जाएँ। बड़े समूहों में धक्का-मुक्की घातक हो सकती है; संयम रखें। संदिग्ध वाहनपैकेज देखें तो न छुएँ । तुरंत पुलिस को सूचित करें।वाहन के बाहर से अजीब आवाज़, असामान्य तार, धुएँ या तेज़ गर्मी का संकेत मिले तो दूर हटें और 100/112 पर फोन करें।संभव हो तो सुरक्षित दूरी से वाहन नंबर नोट कर लें और इधर-उधर न फैलाएँ। ऑनलाइन अफवाहों से बचें।

किसी अज्ञात स्रोत से मिली भयभीत करने वाली सूचना को आगे न बढ़ाएँ।आधिकारिक चैनलों की प्रतीक्षा करें। फर्जी वीडियो पुरानी फुटेज को नए घटनाक्रम का बताकर शेयर करने से संयम रखें।यह स्थिति और बिगाड़ता है। अपने आस-पास के लोगों का ध्यान रखें।बुजुर्ग, बच्चे और विकलांग साथियों की सहायता प्राथमिकता दें। पहचान पत्र साथ रखें और वोटर्स कार्ड/मतदाता पहचान के संबंध में स्थानीय चुनाव अधिकारियों के निर्देश मानें।सेना-पुलिस-खुफिया के Subh तकनीकी और प्रचालनिक ल सुझाव ,सारांश किराये के कमरे आरक्षणों की बैक-एंड जाँच, टैक्सी क्रूज़बुकिंग रिकॉर्ड, पेट्रोल पम्प के CCTV और टोल प्लाजा के नंबर प्लेट रीडिंग को इकट्ठा करना चाहिए। राज्य-स्तरीय हॉटलाइन जो चुनाव से जुड़े जिलों के SPs और डीजीपी से सीधे जुड़ा हो। ध्यान दें।ऊपर के तकनीकी कदम सामान्य सुरक्षात्मक उपाय हैं। किसी को भी गाइड करने का उद्देश्य नकारात्मक होगा तो विवरण सीमित रखा गया है। मीडिया को इस वक्त शांत, सत्य-आधारित और जिम्मेदार रिपोर्टिंग करनी चाहि।ये निराधारित सुर्खियाँ और सनसनीखेज अटकलें लोगों में भय बढ़ाती है। शवों घायलों की ग्राफिक तस्वीरें केवल तभी दिखाएँ जब आवश्यक हो और मानवीय भावना का ध्यान रखें।अफवाहों व संयमहीन विश्लेषणों पर स्पष्ट रेखांकित करें कि जांच जारी है। लाल किले पर हुआ धमाका न केवल एक सुरक्षा घटना है बल्कि यह लोकतंत्र और जनता के विश्वास पर हमला भी है।चाहे उसका मकसद चुनावी माहौल प्रभावित करना हो या किसी अन्य तरह की साजिश। सरकार और सुरक्षा-बलों का तुरंत और प्रभावी जवाब अनिवार्य है।पर उसी समय पारदर्शिता, इंटेलिजेंस समन्वय और न्यायिक प्रक्रिया का पालन भी जरूरी है। जनता का धैर्य, मीडिया की जिम्मेदारी और स्थानीय समुदायों की सतर्कता मिलकर इस घड़ी में सबसे बड़ा योगदान दे सकते हैं। जांच स्वतंत्र व तेज़ हो। NIA NSG Forensics को पूर्ण सहयोग दें। बिहार समेत सभी चुनावी जिलों में सुरक्षा बढ़ाएँ और निर्वाचन आयोग के साथ समन्वय पक्का करें। अफवाहों को फैलने न दें। आधिकारिक चैनलों से ही सूचना लें और साझा करें। स्थानीय समुदाय और पुलिस के बीच नज़र-रखो तंत्र बनाएँ ताकि भविष्य में हमले के संकेत पहले पकड़े जा सकें। जब समय बेहद जरूरी है कि हम भय के बजाय सतर्कता ताकि मतदान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित न हो और दोषियों को कानूनी रूप से सजा मिल सके। सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को चाहिए कि वे निष्पक्ष, समयोचित और प्रभावी कार्रवाइयाँ करें ।और साथ ही सार्वजनिक संचार में सत्यता और संयम बनाए रखें।

कांतिलाल मांडोत

ज्ञान के वृहद् स्वरुप राष्ट्र का वैश्विक स्वरुप

(राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा,ज्ञान की भूमिका)

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंद्य संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैद्य जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगीद्य मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा हैद्य शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती हैद्य शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है।

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंद्य शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती हैद्य पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैद्य यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया हैद्य हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है ।

पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है। दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है द्य राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय हैद्य भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है।

पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है। दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

कॉमन फैसिलिटी सेंटर का जिला अधिकारी ने किया निरीक्षण

बिसवां (सीतापुर) ग्राम भगवानपुर माफी स्थित कॉमन फैसिलिटी सेंटर का मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बिसवां बुनकर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित सेंटर में बने डिस्प्ले सेंटर, सैंपलिंग सेंटर, डिजाइनिंग सेंटर, प्रोसेसिंग यूनिट और स्टॉक रूम का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने बुनकरों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा कहा कि बुनकरों के हित में शीघ्र ही ओडीओपी समिति का गठन किया जाएगा और बायर-सेलर मीट आयोजित कराई जाएगी ताकि उनके उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सके। जिलाधिकारी ने दरी निर्माण की डिजाइनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीतापुर की दरी देशभर में अपनी गुणवत्ता और डिजाइन के लिए जानी जाती है। निरीक्षण के दौरान समिति अध्यक्ष रफीक अंसारी, सचिव हयात कौसर, जिला उद्योग अधिकारी संजय सिंह, शुभम, शाहनवाज, अनीश खान, एखलाख अहमद, मोहम्मद रजा, एवं प्रधान प्रतिनिधि महताब सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भारतीय सेना के सेवानिवृत्त जवान रामकुमार का निधन, तिरंगे के साथ दी गई अंतिम विदाई

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार निवासी रामकुमार उर्फ बैरागी पुत्र सूर्य पाल, उम्र लगभग 55 वर्ष, का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त थे और अपने परिवार के साथ पूरे प्रान सिंह मंजरे ऐहार में निवास कर रहे थे।उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा बड़े सम्मान के साथ निकाली गई, जिसमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने तिरंगा झंडा लेकर शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। राजेन्द्र वर्मा भोला, रामप्रकाश वर्मा, स्वदेश यादव, आशीष वर्मा, पुनीत सैनी रमेश माली इंद्रेश यादव चौडिया वर्मा शिवबरन, विरेंद्र कुमार सहित पूरे गांव ने इस वीर सपूत को नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

रन फॉर यूनिटी एवं एकता यात्रा के माध्यम से सरदार पटेल को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

रायबरेली, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के शिल्पकार, लौह पुरुष एवं 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती समारोह अभियान के अंतर्गत जनपद रायबरेली के बछरावां विधानसभा क्षेत्र में 'रन फॉर यूनिटी' एवं 'एकता यात्रा' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा एवं एकता यात्रा में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं हजारों कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को याद करते हुए एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकजुटता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी जी ने उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के साथ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने भारत के एकीकरण के जिस सपने को साकार किया, वह आज भी देश की प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' जैसे आयोजन हमें यह स्मरण कराते हैं कि देश की एकता और अखंडता सर्वोपरि है, और हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह इसके संरक्षण में अपना योगदान दे।

उद्यान मंत्री ने कहा सरदार पटेल का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनकी दूरदर्शीता का ही परिणाम है कि भारत की भौगोलिक एकता और अखंडता सुनिश्चित हुई। इस अवसर पर बुद्धि लाल पासी, राकेश सिंह, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों, सभी मोर्चो के जिलाध्यक्षों, माननीय विधायकों, ब्लॉक प्रमुखों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर सरदार पटेल के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इक दो पे सितम बाकी पे करम ए साहेब ऐसा जुल्म न कर, रेउसा में भाजपा विधायक की नाराजगी पर हुई कार्रवाई

● लहरपुर में भी ऐसे अस्पतालों की बड़ी तादात, हो चुकी है कई मौतें, फिर भी किसी भी अस्पताल पर कार्रवाई नहीं

मर्सी हॉस्पिटल, लाइफ लाइन हॉस्पिटल, लाइफ केयर क्लीनिक पर आखिर कब होगी कार्रवाई?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर (सीतापुर) जहां एक तरफ़ पूरे जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था लचर हालत में है और नवागत जिला अधिकारी राजा गणपति आर के द्वारा किए जा रहे निरीक्षणों में लगातार खामियां उजागर हो रही है वहीं दूसरी तरफ लहरपुर के प्राइवेट अस्पतालों की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है। बीते डेढ साल मे इन अस्पतालों में कई लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं लेकिन दो-चार दिन के लिए हो हल्ला होने के बाद सब कुछ मोटी रकम के बदले मैनेज होता रहा है। दिलचस्प पहलू यह है कि अभी कुछ दिन पूर्व जनपद के रेउसा क्षेत्र में एक प्राइवेट अस्पताल में हुई प्रसूता की मौत के बाद स्थानीय विधायक ज्ञान तिवारी के द्वारा मामले का संज्ञान लेकर मौके पर पहुंचकर कड़ी नाराजगी जताई गई थी जिसके बाद जिला अधिकारी के निर्देश पर हरकत में आए प्रशासन ने एक तीन सदस्य जांच कमेटी की अनुशंसा पर अस्पताल संचालक के विरुद्ध धारा 304 के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया लेकिन ऐसी ही दर्जनों घटनाएं लहरपुर क्षेत्र में विभिन्न प्राइवेट अस्पतालों में घटने के बावजूद आज तक हर घटना नोटों की चमक के नीचे दबती चली आती रही है। क्या जिला प्रशासन एक विधायक की आवाज और एक गरीब की आवाज में फर्क समझता है ये विचारणीय अवश्य है। सच्चाई के आईने में झांके तो अकेले लहरपुर कस्बे में ही आधा सैकड़ा से अधिक अस्पताल और क्लिनिक प्राइवेट रूप से संचालित होते हैं जिनमें एक बड़ी तादाद बिना रजिस्ट्रेशन वालों की है वहीं दूसरी तरफ रजिस्ट्रेशन होने के बाद भी बिना रिनीवल कराये मानक विहीन तरीके से संचालित होने वाले हॉस्पिटलों की संख्या भी कम नहीं है। गौरतलब है कि इन अस्पतालों के बाहर बड़े-बड़े डिग्री धारी डॉक्टरों के नाम का बोर्ड तो लगा रहता है जबकि हकीकत में यह डॉक्टर इन अस्पतालों पर कभी नहीं आते। इन डॉक्टरों के बोर्ड की आड़ में अस्पताल के अंदर इलाज अप्रशिक्षित लोगों के द्वारा ही किया जाता है जिसके चलते अक्सर नवजातों और प्रसूताओ को जान से हाथ धोना पड़ता है। हालांकि स्थानीय सीएससी अधीक्षक और नोडल अधिकारी सहित जनपद के स्वास्थ्य विभाग के अन्य उच्च अधिकारी इन अस्पतालों के निरीक्षण और इन पर रोक लगाने का दावा जरूर करते हैं लेकिन हकीकत में सारी कार्रवाई ढाक के तीन पात ही नजर आती है। जिला अधिकारी राजा गणपति आर के आने के बाद से आम जनमानस को कुछ उम्मीदें जरूर बंध चली है लेकिन लहरपुर क्षेत्र के इन अवैध हॉस्पिटलों पर कार्रवाई कब और कितनी होगी यह तो भविष्य ही बताएगा!!

बिसवां विधानसभा में खेल के मैदान की स्थापना की मांग, सपा नेता शुभम रस्तोगी ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। बिसवां विधानसभा क्षेत्र के युवाओं ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विकास की मांग को लेकर संकल्प धारा फाउंडेशन के सदस्यों ने सपा नेता शुभम रस्तोगी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के रूप में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिसवां को सौंपा। ज्ञापन सौंपते हुए शुभम रस्तोगी ने कहा कि बिसवां क्षेत्र में सैकड़ों युवा क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों में सक्रिय हैं, लेकिन खेल के लिए उपयुक्त मैदान न होने के कारण खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खेल मैदान की कमी के चलते यहां के प्रतिभावान खिलाड़ी उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से वंचित रह जाते हैं। खेल सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण साधन है। यदि सरकार युवाओं को उचित खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराए, तो बिसवां क्षेत्र के खिलाड़ी भी प्रदेश और देश स्तर पर अपना नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने मांग की कि बिसवां में एक बहुउद्देश्यीय खेल मैदान का निर्माण कराया जाए, जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल जैसे खेलों की सुविधा उपलब्ध हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान क्षेत्र के राघवेन्द्र रस्तोगी (रिंकू) अध्यक्ष व्यापार मण्डल इटिया शहीद, एडवोकेट सचिन सिंह, श्याम यादव, एडवोकेट मोहित कश्यप, एडवोकेट सुधीर कुमार सिंह, राम जी बाजपेई, रिंकल जोशी, अफसर अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि अगर क्षेत्र में खेल मैदान बनता है तो यह न केवल खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि युवाओं में अनुशासन, एकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होगी।

बाइक सवार टप्पेबाजों ने ज़ेवर साफ करने के बहाने महिला के उड़ाए झुमके

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के साकेत नगर मोहल्ले में सोमवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां दो बाइक सवार टप्पेबाजों ने जेवर साफ करने के बहाने महिला से एक लाख रुपये मूल्य के सोने के झुमके ठग लिए। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। मोहल्ला निवासी सरस्वती वर्मा, पत्नी मुन्नालाल वर्मा ने बताया कि दो युवक बाइक से उनके दरवाजे पर आए और खुद को बर्तन व जेवर साफ करने वाला बताया। उन्होंने पहले चांदी की अंगूठी को साफ कर चमकाकर दिखाया, जिससे महिला का विश्वास जीत लिया। इसके बाद सरस्वती ने अपने सोने के झुमके भी साफ कराने के लिए दे दिए। युवकों ने झुमके और कुछ बर्तन एक डिब्बे में डालकर कहा कि इसमें केमिकल लगा है, इसलिए इसे गर्म पानी से धोना होगा। महिला जब अंदर पानी लाने गई और डिब्बा खोला तो झुमके गायब थे। बाहर लौटने पर दोनों युवक मौके से फरार हो चुके थे।पीड़िता के पति मुन्नालाल वर्मा ने कोतवाली में तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके।

मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी बड़ी सौगात

● ......बिजली बिल राहत योजना 2025 से एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत तथा मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए बिजली बिल राहत योजना 2025 लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत नेवरपेड और लॉन्ग अनपेड उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी। यह बात मंत्री ए.के. शर्मा ने संगम सभागार में प्रेस वार्ता कर बताया। इस दौरान उनके साथ अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण, चेयरमैन आशीष गोयल एवं एमडी पंकज कुमार भी मौजूद रहे। विद्युत बिल राहत योजना 2025 के अंतर्गत बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। ऊर्जा मंत्री ने इस योजना को जनता के लिए सरकार का उपहार और जनसहभागिता से जुड़ी अभूतपूर्व पहल बताया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी। मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि योजना के अंतर्गत यदि कोई उपभोक्ता अपना बिजली बिल एकमुश्त जमा करता है, तो उसे सरचार्ज में 100 प्रतिशत के साथ-साथ बकाए के मूलधन में 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। प्रथम चरण (1 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक) पंजीकरण कराने पर 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण (1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक) में 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण (1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक) पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जो उपभोक्ता पहले पंजीकरण कर भुगतान करेंगे, उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। इसलिए प्रदेश के नागरिकों से अपील है कि वे योजना के प्रथम चरण में ही भाग लें।

घरेलू और वाणिज्यिक दोनों वर्गों को लाभ– यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक) और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (1 किलोवाट तक) दोनों के लिए लागू होगी।इतना ही नहीं, बिजली चोरी से संबंधित प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि पर भी छूट देने का प्रावधान किया गया है।

मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा, गरीब उपभोक्ताओं के लिए राहत– ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार ने गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की

सुविधा को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी दी है।

ओवर बिलिंग व अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के लिए भी राहत– श्री शर्मा ने कहा कि योजना के दौरान विभाग ओवर बिलिंग और अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन करेगा। ऐसे उपभोक्ताओं को बिल की धनराशि जमा करने हेतु एक मासिक औसत धनराशि निधारित की गई है।

सुविधाजनक पंजीकरण प्रक्रिया– इस योजना के लिए उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट पर, संबंधित खंड, उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र एवं किसी भी विभागीय कैश काउंटर से पंजीकरण कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत चोरी के प्रकरणों में सम्मिलित व्यक्तियों को राजस्व निर्धारण धनराज में छूट प्राप्त करने हेतु व्यक्ति को पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण कराने के लिए व्यक्ति को 2000 रुपए अथवा राजस्व निर्धारण धनराशि का 10 प्रतिशत धनराशि जो भी अधिक हो, का भुगतान करना होगा।

दिल्ली लालकिले के पास हुए बम ब्लास्ट में वकीलों ने जताया शोक

महराजगंज रायबरेली बार एसोसियेशन के वकीलों ने दिल्ली लालकिले के पास हुए बम ब्लास्ट में शोक जताया , दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया व घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना किया। आपको बताते चलें कि दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार शाम तकरीबन 7:00 बजे बम ब्लास्ट से लगभग एक दर्जन लोगों की मौत व दो दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना से महाराजगंज बार एसोसिएशन ने दुख जताते हुए एक आपातकालीन बैठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष जुबेर अहमद की अध्यक्षता में बुलाई गई और बम ब्लास्ट में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना किया। वकीलों ने एक दिन के लिए न्यायिक कार्य से विरत रहे और सरकार से उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग किया साथ ही रायबरेली में निवर्तमान जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार की असमय मृत्यु पर शोक व्यक्त किया वकीलों के कार्य बहिष्कार से अदालतों में पत्रावली की सुनवाई नहीं हो सकी जिससे वादकारी सामान्य तिथियां लेकर वापस लौट गए। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव शिव शंकर अवस्थी विद्यासागर अवस्थी दीपू अवस्थी अमित श्रीवास्तव यजुर्वेद मिश्रा मनीष तिवारी सुनील द्विवेदी सहित अन्य मौजूद रहें।

भारतीय सेना के सेवानिवृत्त जवान रामकुमार का निधन, तिरंगे के साथ दी गई अंतिम विदाई

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार निवासी रामकुमार उर्फ बैरागी पुत्र सूर्य पाल, उम्र लगभग 55 वर्ष, का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त थे और अपने परिवार के साथ पूरे प्रान सिंह मंजरे ऐहार में निवास कर रहे थे।उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा बड़े सम्मान के साथ निकाली गई, जिसमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने तिरंगा झंडा लेकर शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। राजेन्द्र वर्मा भोला, रामप्रकाश वर्मा, स्वदेश यादव, आशीष वर्मा, पुनीत सैनी रमेश माली इंद्रेश यादव चौडिया वर्मा शिवबरन, विरेंद्र कुमार सहित पूरे गांव ने इस वीर सपूत को नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

दिल्ली धमाके के बाद सीतापुर में सड़कों पर उतरी पुलिस, बस स्टॉप स्टेशन पर डॉग स्क्वायड से चेकिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। दिल्ली में हुए धमाके के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है सुरक्षा एजेंसियों के सतर्क होने के बाद सीतापुर जिले में भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। सोमवार देर शाम से ही जिलेभर में पुलिस बल सड़कों पर उतर आया। पुलिस ने शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया एसपी, एएसपी सीओ थाना प्रभारी और बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने वाहनों की गहन जांच की। संदिग्ध वाहनों की डिग्गी खुलवाकर तलाशी ली गई। इस दौरान डॉग स्क्वायड और बम डिटेक्शन टीम की भी सहायता ली गई पुलिस ने यात्रियों के बैग और संदिग्ध सामग्रियों की जांच कर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिए। दिल्ली धमाके के बाद जिले में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने नेपाल बॉर्डर से सटे इलाकों में भी चौकसी बढ़ा दी है। सीतापुर-नेपाल बॉर्डर पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया वाहनों और आने-जाने वाले लोगों की पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। बॉर्डर चौकियों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके नैमिषारण्य जैसे धार्मिक स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने मंदिर परिसरों और पार्किंग स्थलों की जांच की एसपी अंकुर अग्रवाल ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकसी बरती जा रही है। सभी थाना क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई गई है और सतर्कता के तहत हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है!!

अवध की राजधानी लखनऊ में हुआ ओपन माइक कार्यक्रम, साहित्य और कला का हुआ संगम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अवध की राजधानी लखनऊ में अंचल साहित्य (Lucknow) और काव्य शास्त्र (Delhi) के तत्वावधान में सीज़र स्पोर्ट्स क्लब, आलमबाग में एक भव्य ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों – सीतापुर, गोंडा, बाराबंकी, बनारस और दिल्ली से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री रजत पांडेय (PCS अधिकारी), प्रसिद्ध शायर शाश्वत सिंह 'दर्पण ', शायर अतुल सक्सेना तथा शायर पियूष अग्निहोत्री उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया और कविताओं का पाठ कर साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया। इस अवसर पर पोएट्री, सिंगिंग, स्टैंड-अप कॉमेडी, क्लासिकल डांस और मोनो एक्ट जैसी विधाओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला का मनमोहक प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता टीम अंचल के संस्थापक विमल तिवारी ने की। उनके साथ

यश वर्धन मिश्रा, देवेश मिश्रा, निलेश पटेल, रोशन यादव, कासिफ खान, मुहम्मद मुइनुद्दीन, अर्चना राज, वर्षा राजपूत, सुशील और नवीन ज्योति सहित पूरी टीम ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

वहीं काव्य शास्त्र के संस्थापक शानू श्रीवास्तव तथा मैनेजमेंट टीम वैरागी महाकाल और माही श्रीवास्तव ने आयोजन को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

टीम अंचल साहित्य और विधि दोनों क्षेत्रों को एक साथ आगे बढ़ाने वाली पहली संस्था है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न शहरों में जाकर साहित्य और विधि के विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के

अंत में प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी में सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र (Certificates) प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सरेनी विधानसभा में 418 बीएलओ करेंगे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सरेनी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान में क्षेत्र के सभी 418 मतदान केंद्रों पर बीएलओ को तैनात किया गया है। रविवार को ब्लॉक सभागार में 139 बीएलओ को गणना पत्रक सौंपे गए। इस बार रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षामित्रों को बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की जिम्मेदारी दी गई है। कुछ सहायक अध्यापकों को भी इस कार्य में लगाया गया है। बीएलओ घर घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे। वे वर्ष 2003 और 2025 की मतदाता सूचियों का आपस में मिलान करेंगे। ताकि नए मतदाता जोड़े जा सकें और त्रुटियां सुधारी जा सकें। सत्यापन के लिए निर्वाचन आयोग ने आधार कार्ड को छोड़कर 13 तरह के पहचान पत्रों को मान्यता दी है। इनमें परिवार रजिस्टर की

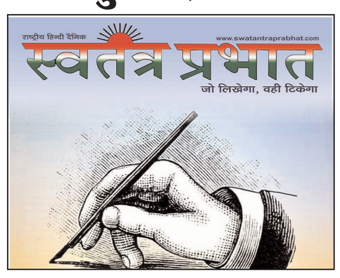

नकल, राशन कार्ड, एलआईसी बॉन्ड, केसीसी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पेंशन बुक, बैंक पासबुक, पैन कार्ड, रोजगार गारंटी कार्ड आदि शामिल हैं। बीएलओ प्रत्येक घर जाकर तीन प्रतियों में पत्रक वितरित करेंगे। इनमें से दो प्रतिया मतदाता के पास रहेगी। जबकि एक प्रति निर्वाचन कार्यालय में जमा की जाएगी। इस काम के लिए 418 बीएलओ के सापेक्ष 39 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। नायब तहसीलदार डलमऊ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्हें गणना पत्रक उपलब्ध कराकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

मतदेय स्थलों की आलेख्य सूचना प्रकाशित

चित्रकूट: जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार जनपद के दोनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों चित्रकूट व मानिकपुर के मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन पर 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान स्थलों में सम्भाजन के बाद मतदान स्थलों की नई सूचियां सर्वसाधारण की जानकारी के लिए सभी मतदान केन्द्रों, रिटर्निंग आफिसर्स के कार्यालयों, सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों सहित जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करायी गई है। इसके साथ ही आलेख्य सूची सर्वसाधारण के लिए डीईओ पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

कहा कि मतदान स्थलों की प्रकाशित आलेख्य सूचियों के सन्दर्भ में यदि कोई आपत्ति या सुझाव हो तो 16 नवम्बर तक लिखित रूप से सम्बन्धित रिटर्निंग आफिसर्स के कार्यालयों अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

के0पी0 फिलिंग स्टेशन द्वारा किया गया विशाल भंडारे का आयोजन

रायबरेली के बछरावां चुरवा व आस पास के क्षेत्र के लोगों के लिए खुश खबरी ये है कि आपके क्षेत्र में एक नया पेट्रोल पंप खुल गया है अब आप को कहीं दूर पेट्रोल लेने के लिए नहीं जाना पड़ेगा, सही नाप के साथ शुद्धता की गारंटी देते हुए पैट्रोल पंप के मालिक राजन त्रिवेदी ने स्वतंत्र प्रभात की संवाददाता रोशनी सोनकर से कहा कि आज वर्षो का स्वप्न पूर्ण हुआ है और आगे भावुक होते हुऐ कहा कि के0पी0, फीलिंग स्टेशन एवं के0पी0 इंटरप्राइजेस को जन सेवा का अवसर मिला है। मालिक राजन त्रिवेदी ने बताया है कि पिछले कई सालों से पेट्रोल पंप खोलने की योजना बनाई जा रही थी। इसके लिए कई जगहों का निरीक्षण किया गया अंत में रायबरेली के चिरवा को चुना गया। उन्होंने चिरवा के सभी सम्मानित नागरिको को बधाई व धन्यवाद दिया। इस अवसर पर के0पी0 इंटरप्राइजेस एवं के0पी0 फीलिंग स्टेशन व आस पास के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

विद्युत सखी कार्यक्रम ने छुआ नया मुकाम - 2400 करोड़ से अधिक पहुंचा, विद्युत बिल कलेक्शन

● .....रोशन गांव, सशक्त नारी- विद्युत सखी है, पहचान हमारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन मे ग्रामीण महिलाओ के आजीविका संवर्धन, उन्हे आत्मनिर्भर व स्वावलम्बी बनाये जाने की दिशा मे बहुत ही कारगर, ठोस व प्रभावी कदम उठाये गये हैं।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूहो की महिलाओ के बेहतर भविष्य निर्माण हेतु सततरूप से प्रयासरत है और विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से महिलाओ की आमदनी मे बड़े पैमाने पर इजाफा हुआ है। इसी कड़ी मे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विद्युत सखी कार्यक्रम में नई उपलब्धियां हासिल की है। इस कार्यक्रम से जुड़े स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने योजना के प्रारंभ वर्ष 2020 से विद्युत सखियों ने विद्युत बिल वितरण कंपनियो (डिस्काम)के लिए रू 2400 करोड़ से अधिक का राजस्व कलेक्शन करने में सफलता पाई है। यूपीएसआरएलएम के इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विद्युत सखी के रूप में रोजगार देकर महिलाओं को सशक्त बनाना है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिस्काम की विद्युत बिल कलेक्शन क्षमता में सुधार लाना है। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) आइसीआइसीआइ बैंक और तकनीकी सहायता एजेंसी के तौर पर कार्उसिल ऑन एनर्जी एनवायरनमेंट एंड वाटर के साथ मिलकर चलाया जा रहा है।14700 से अधिक विद्युत सखियों द्वारा रू 2400 करोड़ से अधिक का बिल कलेक्शन करते हुये 33.05 करोड़ रुपए का कमीशन अर्जित किया गया। एक कलस्टर मे 2 विद्युत सखी के चयन के दृष्टिगत 29900 विद्युत सखी का चयन करके उन्हे क्रियाशील किया जा रहा है। मिशन का उद्देश्य इस कार्यक्रम को विस्तार देना और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता कवरेज में सुधार लाना है। विद्युत सखी कार्यक्रम 'रोशन गांव, सशक्त नारी, विद्युत सखी है पहचान हमारी 'के लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन मे ग्राम्य विकास विभाग के कार्यो की रफ्तार लगातार बढ़ रही है।उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन यह साबित कर रहा है उत्तर प्रदेश की महिलाएं अब सिर्फ विद्युत उपभोक्ता नहीं है, बल्कि बदलाव का वाहक बन रही है। विद्युत सखी कार्यक्रम अपने बिस्तार के साथ इस बात का शानदार उदाहरण बनकर सामने आ रहा है कि कैसे समावेशी नीतियां और जमीनी प्रयास सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं, कैसे हमारे प्रदेश की महिलाएं सरकार के राजस्व में योगदान दे सकती हैं और हम सभी के लिए एक न्यायसंगत और सतत भविष्य का निर्माण कर सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित

शहडोल। कलेक्टर कार्यालय स्थित सोन सभागार में आज साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री शिवम् प्रजापति ने जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। श्री प्रजापति ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों और जनसमस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों- जैसे राजस्व, पंचायत, बिजली, जलापूर्ति और सामाजिक न्याय से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

नगर हित में अनुरोध

शहडोल। नगर के भुतही टोला वार्ड क्रमांक 01 स्थित उपेक्षित श्मशान भूमि के विकास हेतु जागरूक नागरिक परिषद का प्रतिनिधि मंडल दिसंबर 2024 में क्षेत्रीय विधायक श्री जय सिंह मराबी से मिला था। प्रतिनिधि मंडल ने अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से श्मशान स्थल पर शेड (छाया घर) निर्माण कराने का अनुरोध किया था। विधायक श्री मराबी ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए वित्तीय वर्ष 2025 के नए बजट में सहयोग का आश्वासन दिया था। इसके बाद परिषद ने 8 अप्रैल 2025 को पुनः ज्ञापन सौंपा, जिस पर विधायक जी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर निकाय बुढ़ार के सीएमओ श्री सौरभ जी को आवश्यक इस्टिमेट तैयार करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया था। नागरिक परिषद एवं स्थानीय जनों का कहना है कि अब इस भव्य और विस्तृत शेड (छाया घर) के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराया जाना चाहिए, जिससे क्षेत्र के लोगों को प्रचंड गर्मी और वर्षा के दौरान अंतिम संस्कार के समय हो रही असुविधाओं से राहत मिल सके। इस पुनीत कार्य में वार्ड क्रमांक 01, 10, 11 और 12 के पार्षदगण, गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिज्ञ तथा सोशल मीडिया प्रतिनिधि आगे आकर अपने बौद्धिक एवं सामाजिक सहयोग से इस मांग को साकार करने में सहयोग दें- यही अपेक्षा नगरवासियों की है।

अनंता प्रेरक महिलाओं व बालिकाओं की पहचान कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

रायबरेली जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार जनपद में चलाये जा रह अभियान 'मिशन शक्ति फेज 5.0' के तहत महिला कल्याण विभाग द्वारा वन स्टॉप सेंटर पर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत अनंता प्रेरक महिलाओं तथा बालिकाओं की पहचान पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मा0 सदर विधायक अदिति सिंह रही। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी जय पाल वर्मा द्वारा महिला कल्याण विभाग के समस्त योजनाओं की जानकारी विस्तृत पूर्वक के साथ-साथ हेल्पलाइन नंबरों 1098, 181, 1930, 102, 108, 1076, 112, 1090, 101 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्रधिकरण अनुपम शैर्या, बाल कल्याण समिति पूनम सिंह, मिलिद द्विवेदी, राजेस्वरी सिंह किशोर न्याय बोर्ड सदस्य मीनू श्रीवास्तव हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, सुषमा कश्यप वन स्टाप सेंटर सेंटर मैनेजर आस्था ज्योति, श्रद्धा सिंह, अर्चना, ज्ञाना यादव, साधना श्रीवास्तव, दीप्ती मिश्रा, राकेश मिश्रा, आकाश सोनकर, आंगनबाड़ी प्रेमलता नीलम एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध दुकान निर्माण मामला: नौ दुकानों के ध्वस्तीकरण की शुरु हुई कार्यवाही को बीच में रोका

● शेष गयारह दुकानों को श्रमदान घोषित कर क्षेत्र पंचायत के किया अधीन

सीडीओ की जांच के बाद डीएम ने अर्ध निर्मित दुकानों के ध्वस्तीकरण कराने के दिए थे निर्देश

वर्तमान ब्लॉक प्रमुख पर नियम विरुद्ध बीस दुकानों के निर्माण कराने का था आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुकाने ध्वस्त करते मजदूर।

ललितपुर। विकासखंड बार के स्थानीय कस्बे में वर्तमान ब्लाक प्रमुख द्वारा निगम विरुद्ध सरकारी जमीन पर बनाई गई बीस दुकानों को लेकर जनपद में काफी चर्चा हो रही थी। मामला संज्ञान में आने के बाद जिलाधिकारी द्वारा कराई गई जांच में दुकानों को नियम विरुद्ध बनाने की बात सामने आई जिसके पास जिलाधिकारी के निर्देश पर अब निर्माणाधीन नौ दुकानों की ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी, लेकिन इस कार्यवाही को किसी कारण से बीच में ही रोक दिया गया। जबकि पूरी तरह निर्मित हो चुकी शेष गयारह दुकानों को श्रमदान घोषित कर क्षेत्र पंचायत की अधीन करने के आदेश जारी किए गए। बताते चलें कि सभी 20 दुकानों का निर्माण सरकारी भूमि पर नियम विरुद्ध वर्तमान ब्लॉक प्रमुख गुणमाला के पति कल्याण सिंह लोधी द्वारा कराया गया था जिसकी शिकायत जिलाधिकारी से की गई थी। कस्बा बार में नियम विरुद्ध सरकारी जमीन पर ब्लॉक प्रमुख के पति द्वारा बनाई गई 20 दुकानों में से निर्माणाधीन नौ दुकानों की ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देश पर मंगलवार को शुरू कर दी गई, लेकिन दुकानों के कुछ हिस्से को तोड़े जाने के बाद इस कार्यवाही को भी बीच में ही रोक दिया गया। बताया गया है कि मजदूरों के माध्यम से सभी निर्माणाधीन नौ दुकानों की ध्वस्तीकरण का काम कराया जा रहा था। इसके साथ ही पूरी तरह बन चुकी 11 दुकानों को श्रमदान घोषित कर उनको क्षेत्र पंचायत के अधीन कर दिया गया है, जो किराए पर दी जाएंगीं और उनसे होने वाली आमदानी को जनहित ऐसी कार्यों में खर्च किया जाएगा। सत्य प्रकाश, जिलाधिकारी, ललितपुर।

क्या था पूरा मामला

कुछ महीनों पूर्व विकासखंड बार के वर्तमान ब्लाक प्रमुख गुणमाला के पति कल्याण सिंह लोधी द्वारा नियम विरुद्ध अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर 20 दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था। बताया गया है कि इन दुकानों में से 11 दुकानों का निर्माण तो पूरी तरह हो चुका था, जबकि नौ दुकानें निर्माणाधीन थी। इसी दौरान इस मामले की शिकायत कुछ जागरूक लोगों द्वारा जिला अधिकारी से की गई। तत्कालीन जिलाधिकारी ने इस मामले की जांच के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिए थे। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जब इस मामले की जांच की गई तब पाया गया कि सभी दुकानें बिना स्वीकृति के नियम विरुद्ध बनाई गई है। मुख्य विकास अधिकारी की जांच रिपोर्ट मिलते ही जिलाधिकारी ने सभी बीच दुकानों में से पूरी तरह बन चुकी 11 दुकानों को श्रमदान घोषित कर दिया। इसके साथ ही अधूरी पड़ी जो दुकानों के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी और उनके ध्वस्तीकरण के आदेश जारी कर दिए थे। इसके बाद मंगलवार को सभी नौ दुकानों के गिराए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई, लेकिन किसी कारण बस उनके ध्वस्तीकरण का कार्य रोक दिया गया।

इनका कहना है: कस्बा बार में अवैध तरीके से बनाई गई 20 दुकानों की शिकायत मिलने पर इस मामले की जांच मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कराई गई थी। इस जांच में यह स्पष्ट हुआ था कि सभी दुकानें नियम विरुद्ध बनाई गई हैं। इस निर्माण कार्य के दौरान 11 है दुकान है तो पूरी तरह बनाई जा चुकी थी लेकिन नौ दुकानें अधूरी पड़ी हुई थी जिसके परिपेक्ष में नौ दुकानों की दृष्टि कारण के निर्देश जारी किए गए हैं जबकि 11 दुकानों को क्षेत्र पंचायत के अधीन रखकर उन्हें किराए पर चला जा चलाया जाएगा जिससे आने वाली इनकम को जनहित ऐसी कार्यों में खर्च किया जाएगा।

पूर्व पायलेट रामकृष्ण तिवारी ने ली अंतिम सांस भारी जनसमूह ने दी विदाई

जदयू प्रदेष नेता सम्पादक बी.पी.तिवारी के बड़े पिता जी का देवगमन

शहडोल बुढ़ार- काफी दिनों से अस्वस्थ्य एवं रीवा के निजी अस्पताल में काफी उपचार के बाद भी 97वें साल के पूर्व पायलेट रामकृष्ण तिवारी जो अब इस लोक पर नही उनके निधन पर तिवारी परिवार पर शोकमय वातावरण के बीच राजकीय सम्मान के साथ उनकी अंतिम यात्रा में हजारों की तादात में जन समूह सम्मलित होकर अंतिम यात्रा की बिदाई दी। जिसमें लक्ष्मण तिवारी पूर्व विधायक, बृजेन्द्र तिवारी, बी.पी.तिवारी, बृजबिहारी तिवारी, बृजलाल, राकेष, उद्देष, पुष्पराज तिवारी, मुनेष, पप्पू तिवारी, बेटू, एवं विकास तिवारी के साथ मेजर रामलखन दुबे, इंजीनियर रामकुमार दुबे, डॉ. रामदत्त दुबे, प्रदीप दुबे, रामदास दुबे, रामाधार दुबे, राजबहोर गर्ग, ओमप्रकाष पाण्डेय, निरीक्षक लक्ष्मण प्रसाद पाण्डेय, निरी. अनिल कुमार पाण्डेय, हद्यलाल पाण्डेय, छोटेलाल पाण्डेय, दिनेष तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, मुद्रिका पाण्डेय, देवेन्द्र पाण्डेय ने मृतक आत्मा के प्रति शोक संवेदना व्यक्त कर इस दुखद क्षण में तिवारी परिवार के इस शोकाकुल अवसर पर सम्मिलित हुए।

बलिया बांसडीह में पुलिस मुठभेड़, बदमाश राहुल राजभर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत बांसडीह कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार रात भेड़िया पुल के पास हुई मुठभेड़ में पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल बदमाश की पहचान 25 वर्षीय राहुल राजभर के रूप में हुई है, जो सुखपुरा थाना क्षेत्र के कुर्थिया गांव का निवासी है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल बलिया में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मौके से .315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। इसके साथ ही, एक चोरी की मोटरसाइकिल (हीरो एक्स प्लस) भी जब्त की गई है। मुठभेड़ सोमवार रात करीब 10:50 बजे हुई, जब प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह अपनी टीम के साथ भेड़िया पुल पर गश्त कर रहे थे। तभी पहिया की ओर से एक संदिग्ध बाइक सवार आता दिखा। पुलिस ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह तेज गति से भागने लगा और फिसलकर गिर गया। खुद को घिरा देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में राहुल राजभर के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। पकड़ी गई मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली। पहचान से बचने के लिए बाइक पर क्रेटा कार का नंबर लिखा गया था। पुलिस के अनुसार, राहुल राजभर बलिया, गाजीपुर और बिहार में चोरी तथा वाहन चोरी की कई वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा का आधारशीला है- राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। आंगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम एवं संसाधन सम्पन्न बनाने की एक सशक्त पहल के अन्तर्गत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में आंगनबाड़ी संसाधन किट वितरण किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्र सेखाजोत, आंगनबाड़ी केन्द्र महदेवा कुर्मी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र रमवापुर के बच्चों द्वारा गीत, नृत्य एवं अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा जनपद सन्तकबीरनगर की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्री को प्री स्कूल किट एवं मेडिकल किट दिया गया। इसके अलावा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा 02 लाभार्थियों को पोषण पोटली, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड 02 लाभार्थी, स्वामित्व योजना के 02 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, किसान सम्मान निधि के 02 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, पीएम सूर्य घर के 02 लाभार्थी, अन्त्योदय कार्ड धारक 02 लाभार्थी, श्रम विभाग द्वारा 02 लाभार्थियों को कन्या विवाह हेतु अनुदान, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान के 02 लाभार्थी तथा टी.बी. रोगी 02 मरीजों को निक्षय पोटली का वितरण किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सभी लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज बच्चों ने हम सभी लोगो को हंसा दिया। सभी बच्चों को बधाई देती हूँ। जिन आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुपरवाइजर एवं सीडीपीओ ने इनको तैयार किया है उन्हें भी बधाई देती हूँ। बच्चों की प्रतिभा को पहचाने। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चें के खाने, बैठने एवं अन्य गतिविधिया सिखाया जाता है। केन्द्रो पर बच्चे नियमित आये। जो किट आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दिया गया है उन्हे उपयोग करने के लिए बच्चों को ग्रुप में बांटकर अलग-अलग गतिविधि कराये। इस सामानो का उपयोग करें। जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण कराये। किस तरह से पढ़ाना है। बच्चो को योग/व्यायाम भी सिखाये। केन्द्रों पर भोजन अच्छा एवं गुणवत्तापूर्ण बनना चाहिए। बच्चों को बैठाकर खाने की आदत डाले। 9-15 वर्ष की बच्चियों को एच.पी.वी. वैक्सीन अवश्य लगवाये जिससे सर्वाइकल कैंसर से बचाया जा सके। इसमें 02 वैक्सीन 06 माह के अन्तराल पर लगना है। प्रधानमंत्री ने भारत को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया गया है। उ0प्र0 4 लाख टी.बी. मरीज ठीक हुए है। पोषण पोटली का वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि थर्ड जेन्डर के लिए केन्द्र सरकार द्वारा योजना बनायी गयी है। इन लोगो द्वारा अच्छा गायन एवं वादन किया जाता है। राज्यपाल ने सभी को आगामी नववर्ष की शुभकामनाएं दिया। सांसद जगदम्बिका पाल ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं अन्य सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आप 02 दिन से जनपद सिद्धार्थनगर में प्रवास पर है पूरे जनपदवासियो की ओर से धन्यवाद देता हूॅ। तथागत गौतम बुद्ध की धरती पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय स्थापित है। यह गौतम बुद्ध की क्रीड़ा स्थली रही है। 29 वर्ष यही पर व्यतीत किया। 06 वर्ष से कम आयु के बच्चें आंगनबाड़ी केन्द्रों पर जाते है। आज सहां पर बच्चों द्वारा जो कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया है वह सराहनीय है।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने राज्यपाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि जनपद में 3140 आंगनबाड़ी केन्द्र है। जिसमें 376000 बच्चे पंजीकृत है। सीआरएस मद से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्री स्कूल किट का वितरण कराया गया है। सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र योजना के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम बनाये जाने हेतु 100 आर0ओ0, 100 ईसीसीई किट, 86 एलईडी टी.वी., 121 रेनवाटर हार्वेस्टिंग और 100 पोषण वाटिका का निर्माण कराया गया है। आज आयुष्मान भारत योजना, पीएमसूर्य घर योजना, श्रम विभाग द्वारा कन्या विवाह हेतु अनुदान एवं मुख्यमंत्री युवा ऋण वितरण योजना के लाभार्थियों को प्रमाण- पत्र दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आपके मार्गदर्शन में सभी अधिकारी कर्मचारी कार्य कर रहे। टी.बी. मरीजो को पोषण पोटली का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर सांसद जगदम्बिका पाल, विधायक श्यामधनी राही, विधायक विनय वर्मा द्वारा राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को सामूहिक रूप से स्मृति चिन्ह भेट किया गया। इसके अलावा राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा राजभवन से जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर एवं मुख्य विकास अधिकारी सन्तकबीर नगर को 100-100 किताब भेट किया गया। इसके अलावा द्वारा स्वरचित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसन्द है' जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर को भेट किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा द्वारा राज्यपाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार प्रकट किया गया। अन्त में सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञान प्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ सतीश सिंह, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, आगंनबाड़ी कार्यकत्री व अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

गन्ना पेराई सत्र सुचारु एवं सकुशल रूप से संपन्न किए जाने हेतु डीएम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

डीएम ने गन्ना पेराई सत्र के दौरान समय से गन्ना पर्ची का वितरण, गन्ना ट्रकों की ओवर हाइट पर प्रभावी रोक, सुचारु यातायात प्रबंधन हेतु नो एंट्री आदि लागू किए जाने के दिए निर्देश

गन्ना पेराई सत्र के दौरान जनपद में बनेंगे 203 क्रय केंद्र, डीएम ने गन्ना क्रय केंद्रों पर कृषकों हेतु बैठने की समुचित व्यवस्था एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की चीनी मिलों के पेराई सत्र 2025-26 के संचालन एवं तैयारियों के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं मिल प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि गन्ना पेराई सत्र के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने समय से गन्ना पर्चियों का वितरण किए जाने और गन्ना क्रय, तौल एवं भुगतान व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

आगामी पेराई सत्र में जनपद में कुल 203 गन्ना क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक क्रय केंद्र पर कृषकों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने गन्ना ट्रकों की ओवरहाइट पर प्रभावी रोक तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु नो-एंट्री व्यवस्था लागू किए जाने के निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि चीनी मिल एवं प्रशासन के बीच संवाद और समन्वय बना रहे, जिससे कोई भी विषम परिस्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व, जिला गन्ना अधिकारी, सीओ सिटी, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, संबंधित चीनी मिलों के महाप्रबंधक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने ली पुलिस बीट अधिकारियों की बैठक

चित्रकूट: पुलिस बीट प्रणाली के प्रभावी रूप से क्रियान्वयन के दृष्टिगत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने थाना व चौकी में तैनात बीट पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एसपी ने बीट बुक का अवलोकन करते हुए कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रेरित किया। साथ ही बीट अधिकारियों को उनके कर्तव्य एवं अधिकारों की जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

चित्रकूट: अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना राजापुर के उपनिरीक्षक नरेन्द्र यादव व उनके हमराही शुभम मिश्रा द्वारा आरोपी धीरज निषाद निवासी रगौली थाना राजापुर को 20 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में आरोपी के विरुद्ध थाना राजापुर में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

तकनीकी एवं नवाचार आधारित कार्यक्रम प्रारम्भ किए जाए- राज्यपाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में प्रवास के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह सहित सभी अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं प्रकल्प प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में आयोजित नवम दीक्षांत समारोह की सफल एवं गरिमामय सम्पन्नता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नेट एवं जेआरएफ में विद्यार्थियों का चयन बढ़ रहा है, जो सकारात्मक संकेत है। उन्होंने शोध परियोजनाओं, शिक्षकों द्वारा प्राप्त पेटेंट्स तथा नवाचार को सराहनीय बताते हुए कहा कि शोध कार्य समाजोपयोगी होना चाहिए, जिससे शिक्षा एवं समाज दोनों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने एनईपी आधारित एकीकृत पाठ्यक्रमों, पर्यावरण विज्ञान, संगीत एवं ललित कला जैसे नए पाठ्यक्र?मों की शुरुआत को विश्वविद्यालय की दूरदर्शी पहल बताया तथा सुझाव दिया कि आगे और तकनीकी एवं नवाचार आधारित कार्यक्रम प्रारंभ किए जाए।

उन्होंने साइबर सुरक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह वर्तमान समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों को इस क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सजग करने से परिवार और उससे आगे पूरा समाज जागरूक होगा तथा भारत साइबर चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपट सकेगा। डीआरडीओ, इसरो,आई आईटी,आईआईएम सहित विभिन्न संस्थानों से एमओयू करने, फैकल्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाने तथा रक्षा तकनीक से जुड़े पाठ्यक्रम संचालित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भारत रक्षा उत्पादन एवं निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने जा रहा है, ऐसे में विश्वविद्यालय को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

सुबह किए गए निरीक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने ने छात्रावासों की साफ-सफाई, स्वास्थ्यवर्धक भोजन तथा समुचित व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को सरकारी योजनाओं से और अधिक फंडिंग प्राप्त कर छात्रावासों में उच्च स्तरीय सुविधाएँ प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने स्वच्छता की नियमित मॉनिटरिंग, पर्यावरण संरक्षण तथा प्लास्टिक के उपयोग पर रोक की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। एक विश्वविद्यालय के उदाहरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि घास या प्राकृतिक अपशिष्ट से स्वयं सहायता समूह उपयोगी उत्पाद जैसे टोकरी, दरी इत्यादि बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। इस दिशा में विश्वविद्यालय को भी प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने डिजिटल लाइब्रेरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे शीघ्र विद्यार्थियों को समर्पित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इक्रयुवेशन सेंटर एवं प्लेसमेंट सेल को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने विभिन्न विभागो द्वारा शैक्षणिक भ्रमण महत्वपूर्ण स्थान पर ले जाने की बात कही ताकि विद्यार्थी परिषर से बाहर ऐसे महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण करते थे जो उनके लिए ज्ञानवर्धक होगा।

विश्वविद्यालय में स्थापित सोलर प्लांट को और विस्तार की बात कही।

कुलाधिपति ने विश्विद्यालय के सामाजिक दायित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान पाठ्यक्रम के साथ ही आस पास के समाज के उत्थान एवं विकास में अनुकरणीय भूमिका है। इस हेतु नियमित संवेदनशील सक्रियता बहुत आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय में सकारात्मक और पारिवारिक वातावरण के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिसर में सहचर्य, सहयोग और संवेदनशीलता होनी चाहिए। परिसर में रहने वाले परिवारों के बीच नियमित संवाद, सुख-दुख की साझेदारी और सामाजिक-परिवारिक वातावरण विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरक एवं संस्कारित माहौल तैयार करता है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ, सहयोगी और पारिवारिक वातावरण ही विश्वविद्यालय की कार्यकुशलता, उत्पादकता और मानव संसाधन विकास को सर्वाधिक समृद्ध बनाता है, और यही विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। राज्यपाल ने कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय आकांक्षी जनपद सिद्धार्थनगर के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य अंतिम नहीं होता । जहा आज खड़े हैं, कल उससे आगे बढ़ने का सतत प्रयास ही वास्तविक विकास है। यही भविष्य की दिशा है और यही जीवन का सार है। समीक्षा बैठक में कुलसचिव दीनानाथ यादव ने राज्यपाल का स्वागत किया तथा समापन उद्बोधन कुलपति प्रो. कविता शाह द्वारा किया गया।

महिला सर्जन के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। भगवतीगंज में बिना पंजीकरण संचालित एसपीएम अस्पताल में प्रसूता की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संयुक्त जिला चिकित्सालय की सर्जन डॉ. मेधावी सिंह के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस कोतवाली नगर में दर्ज किया गया है। पुलिस जांच कर रही है। घटना 31 अक्तूबर की है। शंकरपुर गांव के निवासी पवन कुमार ने बताया था कि उनकी गर्भवती पत्नी शीला देवी को सरकारी अस्पताल से रेफर कर दिया गया था। इसके बाद वह उसे नगर के एसपीएम हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित संयुक्त जिला चिकित्सालय की महिला सर्जन डॉ. मेधावी सिंह ने 28 हजार रुपये लेकर ऑपरेशन किया था। ऑपरेशन के बाद प्रसूता ने बच्ची को जन्म दिया, लेकिन कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई बार अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर से महिला सर्जन को बुलाने की गुहार लगाई, लेकिन वह समय से नहीं पहुंचीं।

जब डॉ. मेधावी आईं, तो प्रसूता को रेफर करने की बात कही, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। शीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई थी। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और कोतवाली नगर में तहरीर देकर महिला सर्जन पर लापरवाही का आरोप लगाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने चार सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। जांच में यह सामने आया कि एसपीएम हॉस्पिटल पिछले एक वर्ष से बिना पंजीकरण के अवैध रूप से संचालित हो रहा था। इस आधार पर सीएमओ ने अस्पताल को सील कर दिया और उसके संचालक डॉ. शिवकुमार के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया।

प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह ने बताया कि जांच में महिला सर्जन डॉ. मेधावी सिंह की लापरवाही की पुष्टि हुई है। इसके आधार पर उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच हो रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसका नाम एफआईआर में जोड़ा जाएगा।

बिना लाइसेंस संचालित डायग्नोस्टिक सेंटर सील

बलरामपुर। एसीएमओ ने सोमवार को बिना लाइसेंस संचालित अल्ट्रा डायग्नोस्टिक सेंटर को सील किया है। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी के निर्देश पर एसीएमओ डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को उतरौला क्षेत्र के धुसवा बाजार में छापा मारा। स्वास्थ्य विभाग टीम को देखते ही कई निजी अस्पताल व क्लीनिक संचालक शटर गिराकर भाग गए। एसीएमओ ने धुसवा टैक्सी स्टैंड स्थित अल्ट्रा डायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण किया। सेंटर में चिकित्सा संसाधनों का आकलन किया। निरीक्षण के समय एसीएमओ ने संचालक से पंजीकरण अभिलेख मांगा। संचालक कोई अभिलेख नहीं दिखा सका।